RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 51 सोमवार 23 से 29 मार्च, 2026 पृष्ठः 08 मूल्य : ₹3/=

पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ को किया सम्मानित... ...2

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी ने की हाईलेवल मीटिंग

पेट्रोल, गैस की किल्लत रोकने का बनाया ब्लू प्रिंट

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को पेट्रोलियम, कच्चे तेल, गैस, बिजली और उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत कई दिग्गज मंत्री मौजूद थे। इस दौरान पीएम मोदी ने कई अहम निर्देश दिए।

मंत्रियों और सचिवों का एक समूह गठित किया जाएः पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि सरकार के सभी अंगों को नागरिकों को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि मंत्रियों और सचिवों का एक समूह गठित किया जाए जो समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ समर्पित रूप से काम करे। प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया कि क्षेत्रीय समूह सभी हितधारकों के परामर्श से काम करें। प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण वस्तुओं की कालाबाजारी और जमाखोरी को रोकने के लिए राज्य सरकारों के साथ उचित समन्वय सुनिश्चित करने को कहा।

बिजली की किल्लत पर अहम चर्चा

इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे भीषण संघर्ष के संदर्भ में मौजूदा स्थिति की समीक्षा की और प्रस्तावित निवारक उपायों पर चर्चा की। इस बैठक के दौरान यह भी निर्धारित किया गया कि सभी बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित किया जाएगा ताकि भारत में बिजली की कोई कमी न हो।

रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवश्यक आयात स्त्रोतों में विविधता लाने के लिए कई उपायों पर चर्चा की गई। इसी प्रकार, भारतीय वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए निकट भविष्य में नए निर्यात गंतव्य विकसित किए जाएंगे।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संघर्ष एक विकसित होती हुई स्थिति है और इससे पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में प्रभावित है। ऐसी स्थिति में, इस संघर्ष के प्रभाव से नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए।

देश में एलपीजी की किल्लत से मचा है हाहाकार

बता दें कि ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कई भारतीय जहाज के फंस जाने के चलते एलपीजी टैंकर को देश पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ रही है। हालांकि, सरकार ने भरोसा दिया है कि वह जहां से भी अवसर मिलेगा वहां से एलपीजी की खरीद करेगी। रूस अगर विकल्प बनता है तो वहां से भी खरीदारी होगी।

ईरान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद करने से दुनिया में उथल-पुथल

बता दें कि अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है और साफ कर दिया है कि वह इस रास्ते से किसी दुश्मन देश को नहीं गुजरने देगा। इसके बंद होने से भारत समेत कई देशों पर असर पड़ रहा है।

बहुत मुश्किल से जहाज को पास मिल पा रहा है। इस रुकावट से कच्चे तेल की सप्लाई पर पड़ रहा है। दुनिया भर में तेल की कीमत आसमान छूने लगी है।

केंद्र सरकार लगातार ईरान के विदेश मंत्री के संपर्क में

बता दें कि इस संकट के आने के बाद से विदेश मंत्री एस जयशंकर अब तक 5 बार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बात की है। दोनों तरफ से सहयोग का भरोसा मिला है। वहीं, ईरान ने ब्रिक्स देशों से इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए कहा है। बता दें कि ब्रिक्स देशों में खुद ईरान भी शामिल है।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास, सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का बनाया रिकॉर्ड, बीजेपी नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, जब वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले सरकार प्रमुख बने। 8,931 दिनों तक (गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक) उनकी नेतृत्व यात्रा ने जनता की सेवा, ईमानदारी और राष्ट्र प्रथम की भावना का प्रतीक साबित किया है। इस उपलब्धि पर देशभर के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'अथक सेवा और अडिग संकल्प से हासिल एक ऐतिहासिक उपलब्धि। भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले शासन प्रमुख बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई।

उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। गुजरात से लेकर राष्ट्रीय पटल तक, 8,931 दिनों के समर्पित नेतृत्व के साथ, उनकी यह यात्रा अटूट प्रतिबद्धता, कार्यों में ईमानदारी और 'राष्ट्र-सर्वोपरि' की सच्ची भावना को दर्शाती है। यह उपलब्धि जनता के स्थायी विश्वास और भारत के विकास व प्रगति के लिए समर्पित उनके आजीवन मिशन का एक जीता-जागता प्रमाण है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पोस्ट किया, 'एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सरकार प्रमुख बन गए हैं। गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करने तक, उनकी यात्रा स्थायी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पीएम मोदी को शुभकामनाएं देते हुए 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'यह हमारे लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों की सार्वजनिक सेवा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

सार्वजनिक जीवन में 8,931 दिनों के साथ, पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में, उनकी 'जन सेवा' की यात्रा समावेशी विकास के प्रति उनके अटूट समर्पण को दर्शाती है। कड़ी मेहनत और राष्ट्र-निर्माण के प्रति दृढ़ संकल्प पर आधारित, सार्वजनिक सेवा में बिताए उनके ये वर्ष भारत की विकास गाथा को लगातार मजबूत कर रहे हैं।'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'राष्ट्र के लिए यह एक गर्व का क्षण है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रमुख बन गए हैं, जिन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लोगों की सेवा करने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने तक, उनकी यात्रा वास्तव में प्रेरणादायक रही है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'ये वर्ष 'मां भारती' के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता और लोगों की सेवा पर उनके निरंतर ध्यान को दर्शाते हैं। उनके नेतृत्व में, भारत 'विकसित भारत' के विजन की ओर अग्रसर है। यह प्रगति उन जन-केंद्रित नीतियों से प्रेरित है, जिन्होंने गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों को सशक्त बनाया है।

आज, वैश्विक मंच पर भारत अधिक आत्मविश्वास और प्रभाव के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी का कार्य सदैव राष्ट्र को सर्वोपरि रखने और जमीनी स्तर पर वास्तविक परिवर्तन लाने पर केंद्रित रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गो संरक्षण पर रणनीति बनाने के लिए बुलाई अहम बैठक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गो संरक्षण को लेकर बैठक कर रहे हैं। यह बैठक मथुरा के मशहूर फरसा वाले बाबा की हाल ही में हुई मृत्यु के बाद हो रही है, इसलिए इसे विशेष रूप से अहम और संवेदनशील माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में राज्य में गो संरक्षण की स्थिति, गायों की सुरक्षा और संबंधित प्रशासनिक उपायों पर विस्तृत चर्चा की जा रही है। फरसा वाले बाबा की मृत्यु के बाद इस बैठक को और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे संबंधित सामाजिक और धार्मिक पहलू भी जुड़े हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक गो संरक्षण से जुड़े सभी पहलुओं पर ध्यान देगी। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस और गो संरक्षण के विशेषज्ञों की राय भी शामिल की जा रही है। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और गो संरक्षण के नियमों का प्रभावी पालन हो।

बैठक में यह भी चर्चा हो रही है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में गायों की सुरक्षा के लिए किस प्रकार के कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जनता में शांति और साम्प्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के उपायों पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की यह बैठक प्रशासन और समाज के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फरसा वाले बाबा की मृत्यु के बाद इस तरह की रणनीति बनाने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि राज्य सरकार गो संरक्षण को गंभीरता से ले रही है और इसे लेकर ठोस कदम उठाने की योजना बना रही है।

गंगा नदी में नाव पर इफ्तार पार्टी का समर्थनः वोट बैंक के चक्कर में सनातन आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं अखिलेश यादव

लखनऊ। नवरात्र के पावन पर्व से ठीक पहले वाराणसी की पवित्र गंगा माँ के बीचों-बीच नाव पर इफ्तार पार्टी का आयोजन होना और उसमें चिकन बिरयानी जैसे माँसाहारी व्यंजन परोसना, यह घटना सिर्फ एक सामान्य इफ्तार नहीं, बल्कि सनातन आस्था के साथ सीधा खिलवाड़ है।

गंगा को मोक्षदायिनी माँ मानने वाले करोड़ों हिंदू भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का यह प्रयास स्पष्ट रूप से वोटबैंक की सियासत का नतीजा है। और इस पूरे खेल के केंद्र में हैं समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव। उन्होंने इस घटना को हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा बनाकर तूल देने की कोशिश की, लेकिन इस्लामी विद्वानों ने खुद इसे गैर-इस्लामिक बताकर पल्ला झाड़ लिया। नतीजा? अखिलेश की तुष्टिकरण की राजनीति एक बार फिर बेनकाब हो गई है।

क्या है पूरा मामला, क्यों बढ़ा विवाद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार (17 मार्च 2026) को काशी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें रोजेदारों को फल-मेवे के साथ चिकन बिरयानी परोसी गई। ये वीडियो जब सोशल मीडिया पर सामने आया, तो बवाल मच गया। वीडियो में साफ दिख रहा था कि नाव पर बैठे युवक बिरयानी खा रहे हैं और बची हुए हड्डियाँ-कचरा गंगा में फेंक रहे हैं। हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने तुरंत इस घटना पर विरोध जताया और शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने 14 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। सभी पर धार्मिक भावनाएँ आहत करने, पूजा स्थल की अपवित्रता और गंगा की शुचिता भंग करने के मामले में शिकायत दर्ज हुई है। ये मामला सामने आया और अखिलेश यादव तुरंत वोटबैंक की रोटी सेंकने में जुट गए। अखिलेश यादव ने लखनऊ में एक इफ्तार कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रशासन ऐसी कार्रवाई सरकार को खुश करने के लिए कर रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर उन युवकों ने हथेली गरम कर दी होती, तो शायद उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती।

जयंत चौधरी की रालोद में शामिल हुए केसी त्यागी

यूपी वेस्ट की सियासत में पड़ेगा क्या फर्क

नई दिल्ली। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (JDU) के पूर्व वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने राष्ट्रीय लोक दल (RLD) का दामन थाम लिया है। बिहार सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू छोड़ने के बाद केसी त्यागी रविवार (22 मार्च) सुबह RLD के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की मौजूदगी में उनकी पार्टी में शामिल हुए।

पार्टी में शामिल होने के बाद केसी त्यागी ने कहा, 'अब से ठीक 52 साल पहले 9 अगस्त 1974 को चौधरी चरण सिंह लोकदल बना रहे थे। मैं उस मंच पर विराजमान था। मैं चौधरी चरण सिंह की बदौलत दोनों सदनों का सदस्य रहा हूं। मैं अब विधायक और सांसद बनने के लिए नहीं, बल्कि जयंत चौधरी को चौधरी चरण सिंह की तरह देखने के लिए आया हूं। जो लोग यहां पर उपस्थित हैं उनसे मैं कहना चाहता हूं कि दो घटनाओं का तो मैं चश्मदीद गवाह हूं।'

जेडीयू और आरएलडी में कोई अंतर नहीं- केसी त्यागी

केसी त्यागी ने बाद में मीडिया से बातचीत में कहा, 'जेडीयू और आरएलडी में कोई भी अंतर नहीं है। दोनों के आदर्श चौधरी चरण सिंह, कपूरी ठाकुर और लोहिया हैं। मैंने अपना राजनीतिक जीवन ही लोकदल से शुरू किया था और ये उसी का मूल स्वरूप है। चौधरी चरण सिंह के बचे हुए सपने को पूरा करने में हम मदद करेंगे। मैं आने वाले चुनाव में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ूंगा। मैं दोनों का सदस्य रह चुका हूं। जेडीयू और आरएलडी में कोई फर्क नहीं है। एक समय था जब नीतीश कुमार और चौधरी चरण सिंह मिलकर पार्टी बनाने वाले थे। इन दोनों में कोई अंतर नहीं है।'

यूपी वेस्ट की सियासत में पड़ेगा क्या फर्क

नौवीं लोकसभा में हापुड़-गाजियाबाद के सांसद रह चुके केसी त्यागी लंबे समय से जाट राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उनके आने से RLD को जाट वोटरों के बीच और मजबूती मिल सकती है। त्यागी का राजनीतिक अनुभव और रणनीति बनाने की क्षमता पार्टी को चुनावी रणनीति मजबूत करने में मदद करेगी। यह कदम आने वाले चुनावों में RLD की स्थिति को मजबूत कर सकता है, खासकर उन सीटों पर जहां जाट वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

कौन हैं केसी त्यागी

किशन चंद त्यागी, जिन्हें केसी त्यागी के नाम से जाना जाता है, गाजियाबाद के रहने वाले हैं और उनका एक लंबा और सक्रिय राजनीतिक करियर रहा है जो 1970 के दशक से चला आ रहा है। 1989 में, वे उत्तर प्रदेश के हापुड़ निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के सांसद चुने गए। सालों से, उन्होंने विभिन्न दलों में महत्वपूर्ण संगठनात्मक भूमिकाएं निभाई हैं। इनमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और बाद में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में कार्य करना शामिल है। त्यागी 2013 में राज्यसभा के लिए चुने गए और उन्होंने तीन अलग-अलग मौकों पर जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में कार्य किया। 2024 में, उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया।

केसी त्यागी ने कब-कब बढ़ाई मोदी सरकार की टेंशन

केसी त्यागी ने कई मुद्दों पर ऐसे बयान दिए जिसने मोदी सरकार को सोचने पर मजबूर कर दिया था। अग्निपथ स्कीम को लेकर केसी त्यागी ने कहा था कि अग्निपथ स्कीम पर दोबारा से विचार करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड और वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर भी अपना पक्ष रखा था।

राष्ट्रीय मंच पर चमकी उत्तर प्रदेश पुलिस

पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ को किया सम्मानित

फैक्ट चेक और आत्महत्या अलर्ट पहल को प्रतिष्ठित पुरस्कार, तकनीक आधारित पुलिसिंग की सराहना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस के दो प्रमुख नवाचार– फैक्ट चेक और आत्महत्या अलर्ट को थे इकोनॉमिक्स टाइम गवर्नमेंट टेक अवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। देश के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में शामिल इस समारोह में वर्ष 2026 के लिए कुल 26 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें उत्तर प्रदेश पुलिस को दो अलग-अलग श्रेणियों में सम्मान मिला। फैक्ट चेक पहल को कानून व्यवस्था में उत्कृष्टता श्रेणी में तथा आत्महत्या अलर्ट पहल को नागरिक सहभागिता एवं शिकायत निस्तारण श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया। इन पहलों को पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। समारोह में यह सम्मान गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़ ने ग्रहण किया।

प्रदेश में वर्ष 2017 में पुलिस द्वारा देश का पहला पुलिस संचालित फैक्ट चेक मंच शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक

- **भ्रामक खबरों पर सख्ती और हजारों लोगों की जान बचाने में मिली सफलता**

सूचनाओं का समय रहते खंडन करना है। इस पहल के तहत 24 घंटे सक्रिय टीम विभिन्न सोशल मंचों पर वायरल हो रही सूचनाओं की निगरानी करती है और सत्यापन के बाद सही जानकारी सार्वजनिक करती है। अब तक हजारों भ्रामक खबरों का खंडन किया जा चुका है, जबकि सैकड़ों मामलों में कानूनी कार्रवाई भी की गई है। बड़े आयोजनों के दौरान इस पहल की उपयोगिता विशेष रूप से देखने को मिली है।

महाकुंभ 2025 के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो और पोस्ट प्रसारित कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई थी, जिसे पुलिस ने समय रहते चिन्हित कर निष्प्रभावी कर दिया। इस दौरान कई संदिग्ध खातों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर सख्त कार्रवाई की गई। वहीं आत्महत्या अलर्ट पहल को संवेदनशील पुलिसिंग का उदाहरण माना जा रहा है। इस व्यवस्था के तहत सोशल मीडिया पर आत्महत्या से जुड़े संकेत मिलने पर तत्काल सूचना पुलिस तक पहुंचती है। इसके बाद संबंधित व्यक्ति की पहचान कर स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर सहायता, परामर्श और बचाव कार्य किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 से फरवरी 2026 के बीच इस पहल के माध्यम से 2100 से अधिक लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। इनमें युवाओं की संख्या अधिक है, जो इस पहल की उपयोगिता को दशार्ता है। पुलिस द्वारा न केवल लोगों को बचाया गया, बल्कि उन्हें मानसिक सहयोग और आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया। प्रदेश में तकनीक आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा देने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके नेतृत्व में आधुनिक तकनीकों के उपयोग से पुलिसिंग को अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस की यह उपलब्धि न केवल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में उभर रही है, जहां तकनीक और संवेदनशीलता के समन्वय से आम नागरिकों की सुरक्षा को नई दिशा दी जा रही है।

डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ ने जनता दर्शन में सुनी जन समस्याएं

किसी भी समस्या के निस्तारण के लिए डीएम से जरूर मिलें-लाभार्थी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। उनकी कार्यशैली, समस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, रहमदिली, न्याय व पीड़ितों की सहायता करने में तत्परता की भावना को देखते हुए जनता दर्शन में निरंतर पीड़ितों/प्रार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में जनता दर्शन में कल गुरूवार को एक महिला अपनी विवाहित पुत्री के साथ अपनी पारिवारिक समस्या को लेकर आई थी। महिला ने जिलाधिकारी से निवेदन करते हुए कहा कि मेरा नाम रेखा चौधरी पत्नी स्व0 प्रमोद कुमार, निवासी खंजरपुर, मोदीनगर है, मेरे जेठों एवं उनके परिवारजनों के द्वारा जमीन के सम्बंध में आए दिन मुझसे लड़ाई झगड़ा करते हैं, कृपया मेरी सहायता करें।

जिलाधिकारी ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए उक्त महिला और तहसीलदार को शुक्रवार को सुबह 10 पूरा मामला समझने एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए बुलाया। आज तहसीलदार से पूरा मामला जाना जिसमें महिला की शिकायत सत्य पाई गई। जिलाधिकारी ने मौके पर ही सम्बंधित विपक्षी से वार्ता कि जिसमें विपक्षी ने कहा कि हमारी कुछ जमीन गलती से इनके नाम चढ़ गयी है, जिस पर तहसीलदार द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त कार्य में शुद्धि करवा दी गयी है, जिस पर विपक्षी ने कहा कि अब हमें कोई समस्या नहीं है।

जिलाधिकारी ने कहा कि आप अपने परिवारजनों को भी इस सम्बंध में सूचित कर दें और कोई विवाद ना रखा जाएं। जिस पर दोनों पक्षों द्वारा सहमति के साथ समझौता हो गया। जिस पर महिला और उनकी पुत्री ने जिलाधिकारी को धन्यवाद कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि भविष्य में कोई समस्या हो तो जरूर सम्पर्क करें। इसके साथ ही किसी अन्य को भी कोई समस्या हो तो अवश्य मिलें।

जनता दर्शन के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये। इसी क्रम में मुख्यमंत्री महोदय के निदेर्शानुसार जनता दर्शन / जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी महोदय ने जनमानस की सुविधा के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम पर लाइव रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया एवं जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए।

जनता से अपील, शिकायतों के निस्तारण के लिए सम्बंधित अधिकारी से मिलें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ना होने पर जिलाधिकारी से मिलें। जिलाधिकारी ने कहा हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट, एडीएम एल/ए सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई विशेष संचारी रोग नियंत्रण के लिए समन्वय बैठक

संचारी रोगों के रोकथाम के लिए जनता को जागरूक करना जरुरी: अभिनव गोपाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार मे अप्रैल में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों की एक समन्वय बैठक मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में हुई।

इस बैठक में सीडीओ अभिनव गोपाल ने अवगत कराया कि शासनादेश के अनुपालन में 01 अप्रैल, 2026 से 30 अप्रैल, 2026 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 10 अप्रैल, 2026 से 30 अप्रैल, 2026 तक दस्तक अभियान, संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार के अभियान का आयोजन करने निर्देश मिले हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा

- **01 अप्रैल को वृहद स्तर पर निकाली जाएं रैलियां, संचारी रोगों के प्रति लोगों को करें जागरूक**
- **संचारी रोगों के प्रति जागरूकता एवं दिशा-निदेर्शों का पालन करना आवश्यक**

कि संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार पर सफलतापूर्वक नियंत्रण पाने के लिए इस विषय पर एक सम्पूर्ण सोच के साथ सम्बंधित विभागों के मध्य उचित समन्वय का होना आवश्यक है। अतः सभी विभाग सम्बंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए संचारी रोगों पर रोकथाम/प्रभावी नियन्त्रण लगायें।

उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग को निर्देशित किया कि घर–घर भ्रमण करते हुए लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने साफ–सफाई का ध्यान रखने, मार्गों पर कहीं भी कूड़ा एकत्र न होने देने सहित तमाम निर्देश दिये। अभिनव गोपाल ने कहा कि संचारी रोगों से बचाव व रोकथाम के लिए संचारी रोगों के प्रति जागरूकता होना तो आवश्यक है ही, इसके साथ ही स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए दिशा–निदेर्शों का पालन करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को शासन से प्राप्त दिशा–निदेर्शों के क्रम में प्रत्येक कार्य हेतु माइक्रो प्लानिंग करने का निर्देश दिया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर अपने-अपने विभाग की कार्य योजना प्रस्तुत करें एवं जनपद के संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देकर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु कार्य करना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी सम्बन्धित विभाग 01 अप्रैल, 2026 को अपने-अपने स्तर पर रैली निकालकर जनता को जागरुक करेंगे। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

उत्तर प्रदेश सरकार के 'नवनिर्माण के 9 वर्ष'

विकास की रफ्तार, सुशासन की मिसाल और जनकल्याण का विस्तार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को आयोजित भव्य कार्यक्रम ने विकास, सुशासन और जनकल्याण की एक सशक्त तस्वीर पेश की। कविनगर स्थित जानकी सभागार, रामलीला मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, लाभार्थियों और आम नागरिकों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि बीते 9 वर्षों में प्रदेश और जनपद में हुए व्यापक बदलावों का जीवंत दस्तावेज बनकर सामने आया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना और अतिथि स्वागत के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में गरिमा और उत्साह का संचार हुआ। इसके साथ ही लखनऊ स्थित लोक भवन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया, जिसमें प्रदेश के विकास की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। अयाना डांस अकादमी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को और अधिक आकर्षक बना दिया।

डीएम रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले 9 वर्षों में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटलीकरण, आधुनिक तकनीकों का समावेश और नए संस्थानों की स्थापना ने नई दिशा दी है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, बुनियादी ढांचे का विस्तार और स्वच्छता अभियान ने जनजीवन को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में भी विकास कार्य तेजी से हुए हैं और यह जनपद अब प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हो चुका है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। विधायक सदर संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने कानून व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार देखे हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक स्थान बन चुका है। गाजियाबाद में रैपिड रेल (नमो भारत), मेट्रो विस्तार, एलिवेटेड रोड, एक्सप्रेसवे और अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स ने विकास की नई ऊंचाइयां तय की हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित न रहे। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि सरकार प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, भयमुक्त और सुविधाजनक वातावरण देने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाएं केवल घोषणा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें प्रभावी तरीके से लागू कर लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। महिलाओं, गरीबों, युवाओं और वंचित वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाएं उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया, जो इस आयोजन का सबसे प्रेरणादायक पहलू रहा।

विधायक ने डीएम से की बातचीत

सिद्धार्थम सोसाइटी के हजारों निवासियों की जल्द मिलेगा पेयजल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर विधायक संजीव शर्मा ने सिद्धार्थ विहार स्थित गौर सिद्धार्थम सोसाइटी के हजारों निवासियों की पेयजल समस्या को लेकर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने जिलाधिकारी से वीरवार को निवास पर मुलाकात कर सोसाइटी में गंगा जल आपूर्ति शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

गौरतलब है कि सोसाइटी में करीब 2400 से अधिक परिवार और 10,000 से ज्यादा लोग निवास करते हैं, जो लंबे समय से खराब पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां पानी का टीडीएस स्तर लगभग 2500 होने के कारण यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बना हुआ है।

विधायक ने स्पष्ट किया कि सिद्धार्थ विहार गंगनहर के पास स्थित है, जिससे यहां गंगाजल की आपूर्ति करना संभव है, लेकिन अब तक सोसाइटी को गंगा जल सप्लाई से नहीं जोड़ा गया है।

उन्होंने मांग की है कि तुरंत कार्रवाई करते हुए सोसाइटी को गंगा जल लाइन से जोड़ा जाए, ताकि हजारों लोगों को राहत मिल सके। मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने कहा कि यह जनता से जुड़ा बड़ा मुद्दा है और विधायक संजीव शर्मा लगातार इसके समाधान के लिए प्रयासरत हैं।

उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही क्षेत्रवासियों को स्वच्छ गंगाजल उपलब्ध होगा और यह समस्या समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि जनता की हर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और उसका समाधान कराना ही विधायक जी का संकल्प है। इस अवसर सोसाइटी से राम बाबू शर्मा, पार्षद संतोष राणा,प्रमोद गर्ग, अमित सिंह,रवि गुप्ता, रविकांत,मोहर सिंह, रवि गुप्ता, शिवकुमार सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

हिंडन नदी की स्वच्छता के लिए निगम की पहल जलकुंभी हटाने के लिए चलाया अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग द्वारा हिंडन नदी की सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। हिंडन नदी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम की पहल प्रारंभ हो चुकी है। जिसके क्रम में खरपतवार को हटाया जा रहा है, सिटी फॉरेस्ट से लेकर इंदिरापुरम हाईवे एनएच-9 तक बृहद अभियान के रूप में हिंडन नदी सफाई का कार्य कराया जा रहा है जो की गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पहली बार कराया जा रहा है। डीविडर मशीन के माध्यम से हिंडन नदी की सफाई का कार्य चल रहा है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा बताया गया हिंडन नदी की सफाई का अभियान पहली बार गाजियाबाद नगर निगम द्वारा चलाए जा रहा है। जिसमें जलकुंभी हटाने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। नदी में पूजन सामग्री व अन्य विसर्जन करना पूर्ण रूप से बंद है नदी के किनारे भी सफाई अभियान चलाते हुए कार्य किया जा रहा है। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद के नेतृत्व में उपकरणों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। लगभग 9 किलोमीटर निगम सीमा अंतर्गत आने वाली हिंडन नदी के क्षेत्र को पूर्ण रूप से जलकुंभी मुक्त किया जाएगा। अनावश्यक रूप से लगी हुई जलकुंभी हटाकर हिंडन नदी कि ऑक्सीजन को भी बचाने का प्रयास किया जा रहा है यह अभियान लगातार चलता रहेगा।

पशुपालक प्रशिक्षण एवं प्रसार योजना के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण

पशुओं के कृत्रिम गभाधार्न, टीकाकरण, बीमारियों के नियंत्रण संबंधी जानकारी दी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार पशुपालन के सहयोग से कृषकों की आय दोगुना करने के क्रम में पशुपालक प्रशिक्षण एवं प्रसार योजना चलायी जा रही है। इसके अंतर्गत जनपद के समस्त पशु चिकित्सा अधिकारियों, पशुधन प्रसार अधिकारियों एवं पशु मित्रों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास भवन के दुर्गावती देवी सभागार में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि पशुओं के कृत्रिम गभाधार्न, टीकाकरण, बीमारियों के नियंत्रण एवं बदलते परिवेश में पशुओं के रख रखाव इत्यादि के बारे में नवीनतम जानकारी पशु पालकों को उपलब्ध कराई जा सके। इस कार्यक्रम में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद डॉ एस पी पांडेय, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्साअधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी एवं पशु मित्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर डॉ हरिवंश सिंह द्वारा पशुओं के कृत्रिम गभाधार्न, बांझपन, टीकाकरण एवं बीमारियों के बारे में अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई गई। प्रशिक्षण की अगली कड़ी में प्रत्येक विकास खण्ड पर सौ प्रगतिशील पशुपालको का प्रशिक्षण प्रशिक्षित पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा कराई जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अधीनस्थो को निर्देश दिया कि वे समस्त विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी पशु पालकों तक अवश्य पहुंचाएं ताकि सरकारी योजनाओं में योग्य लाभार्थियों का चयन किया जा सके।

नवनियुक्त पदाधिकारियों व नामित पार्षदों का स्वागत, जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के महानगर कार्यालय में वीरवार को महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में एक कार्यकर्ता परिचय बैठक का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं नवनियुक्त संगठन के पदाधिकारियों व नामित पार्षदों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायी बना दिया। बैठक में सांसद अतुल गर्ग ,उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा , सदर विधायक संजीव शर्मा तथा मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी , पूर्व मेयर आशु वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने संगठन की मजबूती एवं विस्तार पर बल देते हुए भारतीय जनता पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकताओं में निहित है, और नवनियुक्त पदाधिकारी इस शक्ति को और सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। साथ ही, संगठनात्मक समन्वय, सक्रियता एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा, पंकज वाल्मीकि, उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी , रनिता सिंह , भानु सिसोदिया ,अमित रंजन ,विनोद कसाना ,सचिन डेढा ,राजन आर्य , महानगर मंत्री प्रमिला रावत, ललित कश्यप, अनीता शर्मा, आशीष चौधरी, राम त्यागी, उषा चौधरी , प्रीति चंद्र राय, कोषाध्यक्ष नवनीत मित्तल , महानगर मीडिया संयोजक नीरज शर्मा, सह मीडिया संयोजक करण शर्मा व साक्षी नारंग , सोशल मीडिया प्रहलाद दुआ , सह सोशल मीडिया सोनू भाटी राजपूत, महानगर आईटी संयोजक पुष्पेंद्र गुप्ता, सहसंयोजक सुषमा गंगवार समेत अनेक पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भोपुरा में निगम की भूमि पर बनेगा आंगनबाड़ी केन्द्र, महापौर ने किया भूमि पूजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम एवं महिला एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा एक आंगनबाड़ी केंद्र बनाया जाना था। जिसको नगर निगम द्वारा गाँव भोपुरा के खसरे नंबर 696 की 380 वर्गमीटर भूमि पर सोशल डिजाइन कोलैबोरेटिव संस्था आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लिए दिया गया है । जिसका महापौर सुनीता दयाल ने पूजा अर्चना कर भूमि पूजन किया। महापौर सुनीता दयाल द्वारा बताया गया कि यह गाजियाबाद नगर निगम एवं महिला व बाल विकास विभाग की पहली और नई पहल है। जिसको कामयाबी निश्चित ही मिलेगी और भोपुरा के कृष्णा विहार में इस आंगनबाड़ी केंद्र की बहुत आवश्यकता थी । जिसको आज धरातल पर लाया गया है एवं हर वर्ग यहां तक कि कूड़ा बिनने वाले लोगो के बच्चे भी शिक्षित हो सकें यही हमारा प्रयास है।

यह संस्था में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त आर्किटेक्चरल स्टूडियो है, जो दिल्ली एनसीआर में वंचित समुदायों के साथ मिलकर सामाजिक बुनियादी ढांचा और सामुदायिक स्थान बना रहा है। इसकी डायरेक्टर, स्वाति जानू ने भारतीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान के साथ एक सलाहकार के रूप में भी बड़े पैमाने पर काम किया है। 2023 में इस स्टूडियो को डेनमार्क के परोपकारी संस्थान एआरसी इंस्टीटयूट द्वारा भी चुना गया था। पूर्व में इनके द्वारा ग्रेटर नोएडा के पंचायतन क्षेत्र में एक मॉड्यूलर आंगनवाड़ी का प्रोजेक्ट शुरू किया गया और अब नगर निगम क्षेत्र में कृष्णा विहार कुट्टी, वार्ड नंबर 29, भोपुरा, गाजियाबाद में रहने वाले सबसे कमजोर और जरूरतमंद समुदायों के लिए एक पायलट आंगनवाड़ी बनाने का प्रयास किया जा रहा है ।

इन समुदायों की आजीविका कचरा बीनने पर निर्भर है। इस इलाके में लगभग 1,000 घर हैं, और लगभग 300 बच्चों को ऐसी सुविधा की जरूरत है। इस आंगनबाड़ी केंद्र का नाम 'उड़ान' रखा गया। शिक्षण पद्धति और खेल-कूद, इसके अद्वितीय अष्टकोणीय डिजाइन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं यह डिजाइन पूरे देश के सरकारी स्कूलों में लागू किए जाने के लिए एक 'सर्वोत्तम अभ्यास' के रूप में एक मॉड्यूलर खाका तैयार करता है। इसकी दीवारें और छत के पैनल रीसायकल किए गए प्लास्टिक से बनाए जाएँगे, ताकि कचरे को एक संसाधन के रूप में और एक टिकाऊ अभ्यास के तौर पर दिखाया जा सके। यह ढाँचा बोल्ट से कसे हुए 'स्लॉटेड एंगल्स' से बनाया जाएगा, और इसके लिए किसी नींव की जरूरत नहीं होगी। क्लासरूम को बच्चों की ऊँचाई को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा और यह सभी के लिए सुलभ भी है। इसे 'फ़्लैट पैक बिल्डिंग टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल करके एक मॉड्यूलर क्लासरूम के तौर पर बनाया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सके।

सन्यास आश्रम का 70वां वार्षिकोत्सव मनाया गया

सामाजिक समरसता के लिए हमें धरातल पर उतरकर कार्य करना होगा: नरेन्द्र कश्यप

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शम्भु दयाल दयानन्द वैदिक सन्यास आश्रम दयानन्द नगर का 70 वां वार्षिकोत्सव बालेश्वर त्यागी की अध्यक्षता में सौल्लास सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञब्रह्मा आचार्य रणवीर आर्य ने यज्ञ कर किया मुख्य यज्ञमान पार्षद रंजीता कल्याणी, अनिल कल्याणी, लावान्या सिंघल,वर्चस्व सिंघल संजीव आर्य,विकास बाल्मीकि, अशोक मेहरा आदि रहे।उन्होंने यज्ञमानों के सुखद एवं मंगलमय जीवन की प्रभु से प्रार्थना की। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्य वेश ने अमर स्वामी द्वार एवं आचार्य सोमव्रत शास्त्री छात्रावास नामकरण समारोह का उद्घाटन किया ओर कहा कि सब मनुष्य एक ही ईश्वर की संतान हैं एवं अनुपम कृतियाँ हैं। देश और मानवता की रक्षा करनी है तो समाज से जातिगत भेदभाव और छुआछूत को समाप्त करना ही होगा। डा धनंजय सिंह ने अमर स्वामी के कई प्रेरक संस्मरण सुनाये तथा डा भगवान देव शास्त्री एवं डा प्रतिभा सिंघल ने आचार्य सोमव्रत्त शास्त्री के प्रेरणादाई संस्मरण सुनाये जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए।

सामाजिक समरसता सम्मेलन के मुख्य अतिथि नरेन्द्र कुमार कश्यप (राज्य मंत्री,उत्तर प्रदेश सरकार) ने कहा कि आज मुझे दूसरी बार आर्य समाज के समारोह में आने का मौका मिला है।जो संस्था समरसता की बात समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की बात करती हो, सद्भाव के भाव को उत्पन्न करती हो इससे उपयोगी कोई विचार हो ही नहीं सकता। उन्होंने कहा मानव जीवन बड़े सौभाग्य से मिला है इस जीवन को सुखद एवं विवेकशील बनाने के लिए आर्य सन्यासी से सुविचार मिल जाए यह भी सौभाग्य है। आज का आयोजन समाज को नई दिशा दिखाने का प्रयास कर रहा है। पिछले 5 हजार साल से जाति के नाम पर मतभेद है वह तभी दूर होगा हम सबको संकल्पित होकर उनके घरों पर जाकर खाने का काम करें।सम्मानित शब्दों से बुलाएँ,सामाजिक रिश्ते की भी बात करें।यदि हम धरातल पर उतर कर कार्य करेंगे तो राष्ट्र मजबूत होगा। धर्म वह है जो विश्व के कल्याण की बात करता है इसके सही स्वरुप को समाज के बीच ले जायें तो समरसता हो सकेगी।

इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि सर्वे भवन्तुः सुखिनाः के अध्यक्ष जितेन्द्र भाटिया, प्रवीन चौधरी पार्षद (डिप्टी मेयर नगर निगम), समारोह अध्यक्ष बालेश्वर त्यागी ने भी जातिगत, छुआछुत उन्मूलन व आर्य समाज की भूमिका पर विचार रखे। सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक वेदपाल आर्य एवं अंजलि कुमारी के सामाजिक समरसता एवं ईशभक्ति के भजनों को सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम का कुशल संचालन एडवोकेट सत्यकेतु सिंह ने किया।उन्होंने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य रूप से सर्वश्री सलेक भैया, सत्यवीर चौधरी,लक्ष्मण सिंह चौहान,यज्ञवीर चौहान,महिपाल सिंह,सेवा राम त्यागी,डा प्रमोद सक्सेना,स्वामी सूर्यवेश,त्रिलोक शास्त्री,सत्यम,आश्रमचार्य जितेंद्र आर्य, सुभाष शर्मा,वेद व्यास,चौधरी मंगल सिंह,देवेन्द्र मेहता आदि उपस्थित थे। शांतिपाठ,ऋषिलंगर के साथ समारोह संपन्न हुआ।

'प्रशिक्षण से पैदा हुई ताकत-2027 के रण में उतरने को तैयार भाजपा की भगवा सेना'

विधायक अजीत पाल त्यागी व महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में लिया विजय संकल्प

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी गाजियाबाद महानगर द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविरों का सफल एवं प्रभावशाली आयोजन किया गया। इन शिविरों में संगठन की मजबूती, कार्यकताओं के कौशल विकास एवं आगामी मिशन 2027 की तैयारी को लेकर जोशपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित इन प्रशिक्षण शिविरों में कार्यकताओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए यह संकल्प लिया कि वे घर-घर जनसंपर्क कर पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। शिविरों में कार्यकताओं की उपस्थिति और उनकी ऊर्जा इस बात का स्पष्ट संकेत दे रही थी कि गाजियाबाद महानगर में भाजपा संगठन पूरी मजबूती के साथ आगामी चुनावी रण के लिए तैयार है।

नंदग्राम मंडल में मंडल अध्यक्ष हेमंत त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री सुनील शर्मा, अनिल खेड़ा, महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं एवं वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संगठन की कार्यशैली, विचारधारा एवं सेवा भाव को आत्मसात करने पर विशेष बल दिया।

वहीं, मुरादनगर देहात का प्रशिक्षण शिविर जेवीएस फार्म हाउस, बसंतपुर संताली में मंडल अध्यक्ष विपिन चौधरी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, वर्ग पालक महेश अग्रवाल, सचिन टेढ़ा, ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी, रनीता सिंह, महानगर मीडिया संयोजक नीरज शर्मा, सुनीत त्यागी, योगेंद्र शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो दिनों तक चले इन प्रशिक्षण शिविरों में कुल सात सत्र आयोजित किए गए, जिनमें पार्टी की स्थापना से लेकर अब तक के संघर्ष, उपलब्धियों, संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क अभियान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रत्येक सत्र ने कार्यकताओं के भीतर नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा का संचार किया।

कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है, और प्रत्येक कार्यकर्ता इस मिशन का महत्वपूर्ण सिपाही है।

इन प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से कार्यकताओं को न केवल वैचारिक रूप से सशक्त किया गया, बल्कि उन्हें आगामी अभियानों के लिए तैयार करते हुए यह संदेश भी दिया गया कि 2027 की विजय की नींव आज के प्रशिक्षण और समर्पण से ही रखी जा रही है।

अंत में सभी कार्यकताओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे संगठन की विचारधारा को लेकर हर घर तक पहुंचेंगे और गाजियाबाद महानगर को संगठनात्मक दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाएंगे।

'संकल्प मजबूत हो, संगठन संगठित हो – तो जीत निश्चित होती है।'

गृह कर पीड़ित संघर्ष समिति की बैठक, जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पर निर्णय

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गृह कर पीड़ित संघर्ष समिति गाजियाबाद की आवश्यक बैठक कवि नगर में हुई, जिसमें विभिन्न व्यापारी संगठनों, एनजीओ एवं आरडब्ल्यूए की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने व्यापक रूप से सहभागिता की तथा नगर निगम गाजियाबाद द्वारा प्रस्तावित/लागू की गई गृह कर में अत्यधिक वृद्धि के संबंध में गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गृह कर में की गई अप्रत्याशित एवं अत्यधिक वृद्धि न केवल विधिसम्मत सिद्धांतों के प्रतिकूल है, अपितु यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन करती है। यह वृद्धि आम नागरिकों, व्यापारियों एवं मध्यम वर्गीय परिवारों पर असंगत एवं असहनीय आर्थिक बोझ डालती है, जो जनहित के विपरीत है। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि गाजियाबाद की समग्र बेहतरी एवं संतुलित विकास हेतु गृह कर पीड़ित संघर्ष समिति का विधिवत गठन किया गया, जो इस जनहित के मुद्दे को सशक्त एवं वैधानिक तरीके से उठाएगी तथा गृह कर वृद्धि को तत्काल प्रभाव से वापस कराने हेतु आवश्यक विधिक एवं लोकतांत्रिक कदम उठाएगी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 24 मार्चको प्रातः 10:30 बजे मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक विस्तृत ज्ञापन जिलाधिकारी, गाजियाबाद के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा, जिसमें गृह कर वृद्धि को निरस्त करने की मांग की जाएगी। समिति ने आमजन से निर्धारित समय पर जिलाधिकारी कार्यालय गाजियाबाद पर प्रातः 10:30 बजे दिन मंगलवार 24 मार्च 26 पहुंचने का आह्वान किया है।

मायलोमा मरीजों के लिए उम्मीद की नई पहल, यशोदा मेडिसिटी में 'मायलोमा उत्सव' आयोजित

▶ जागरूकता, सहयोग और समग्र देखभाल पर रहा विशेष फोकस ▶ मरीजों, परिजनों और विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद/दिल्ली-एनसीआर। कैंसर देखभाल के क्षेत्र में अग्रणी स्वास्थ्य संस्थान यशोदा मेडिसिटी द्वारा शनिवार को 'मायलोमा उत्सव झ लिविंग स्ट्रॉन्गर विद मायलोमा' का आयोजन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम मल्टीपल मायलोमा से जूझ रहे मरीजों, उनके परिजनों और देखभालकताओं के लिए एक सशक्त मंच के रूप में सामने आया, जहां न केवल बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई, बल्कि मानसिक और भावनात्मक सहयोग पर भी विशेष बल दिया गया।

यशोदा इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मल्टीपल मायलोमा जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों को सही मार्गदर्शन, सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करना रहा। हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण विभाग के विशेषज्ञों के नेतृत्व में आयोजित इस पहल ने मरीज-केंद्रित समग्र देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मल्टीपल मायलोमा मरीज, सर्वाइवर, उनके परिवारजन और स्वास्थ्य विशेषज्ञ शामिल हुए।

इस दौरान अनुभव साझा करने, परामर्श देने और नई जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए संवाद सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को बीमारी से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे उन्हें अपनी स्थिति को बेहतर समझने और उससे मुकाबला करने की प्रेरणा मिली। विशेष सत्रों में आध्यात्मिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रमुखता दी गई। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपने संबोधन में मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारियों से जूझते समय सकारात्मक सोच और आत्मबल अत्यंत आवश्यक होता है। वहीं, डॉ. रबिन्द्र मोहन आचार्य ने योग और नियमित दिनचर्या के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सहायक है। मल्टीपल मायलोमा एक जटिल और दीर्घकालिक बीमारी है, जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर भी मरीजों और उनके परिवारों को प्रभावित करती है।

ऐसे में 'मायलोमा उत्सव' जैसे कार्यक्रम मरीजों को एक-दूसरे से जोड़ने, उनके अनुभव साझा करने और एक मजबूत सहयोग तंत्र विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ. पी. एन. अरोड़ा ने कहा कि संस्थान कैंसर उपचार को केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं रखता, बल्कि मरीजों की संपूर्ण यात्रा में उनके साथ खड़ा रहता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम मरीजों को सशक्त बनाने, उन्हें सही जानकारी देने और उनके लिए सहयोगी वातावरण तैयार करने में सहायक होते हैं। प्रबंध निदेशक डॉ. उपासना अरोड़ा ने कहा कि 'मायलोमा उत्सव' मरीजों के लिए केंद्रित देखभाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने बताया कि इस तरह के संवाद और मार्गदर्शन सत्रों से मरीज और उनके परिजन अपनी स्थिति को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। डॉ. निवेदिता धींगरा, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष- हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण ने बताया कि मल्टीपल मायलोमा के उपचार में विशेषज्ञ टीम की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे सपोर्ट ग्रुप कार्यक्रमों के माध्यम से मरीजों के मन में मौजूद शंकाओं को दूर किया जा सकता है और उन्हें अपने इलाज में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ संवेदनशील देखभाल, भावनात्मक सहयोग और जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। 'मायलोमा उत्सव' के माध्यम से यशोदा मेडिसिटी ने न केवल मरीजों को नई उम्मीद दी, बल्कि यह भी साबित किया कि सामूहिक प्रयास और सकारात्मक सोच के जरिए गंभीर बीमारियों से लड़ाई को मजबूत बनाया जा सकता है।

सम्पादकीय

ईरान-अमेरिका टकराव के बीच भारत पर महंगाई का खतरा क्यों बढ़ा

पश्चिम एशिया में ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद दिनोंदिन हालात जटिल होते जा रहे हैं। साफ है कि युद्ध का प्रत्यक्ष असर भले ही हमले की जद में आए देशों में पड़ रहा हो, लेकिन इसकी वजह से अब दूसरे वैसे देश भी प्रभावित होने लगे हैं, जो अपनी कई जरूरतों के लिए मध्यपूर्व के देशों पर कम या ज्यादा निर्भर हैं। उदाहरण के तौर पर ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से उस रास्ते से तेल और गैस लेकर जाने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों का भी रास्ता बंद है। कुछ खास स्थितियों में आंशिक इजाजत दी जा रही है, लेकिन उसके सहारे आने वाले दिनों के व्यापक संकट को लंबे समय तक नहीं टाला जा सकता है। तेल और गैस की आपूर्ति में भारी कमी की वजह से उपजे मुश्किल से निपटने के लिए भारत ने रूस सहित अन्य विकल्पों की ओर रुख किया है, मगर इससे स्थितियों को सामान्य बनाने में सीमित मदद ही मिलेगी। यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में भी शुक्रवार को उच्च श्रेणी के पेट्रोल में करीब दो रुपए और औद्योगिक उपयोगकताओं को बेचे जाने वाले डीजल में बाईस रुपए की बढ़ोतरी की गई। हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की मौजूदा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि आने वाले कितने दिनों तक इनके दाम स्थिर रहेंगे। मसलन, अगर भारी उद्योगों और बड़ी मशीनों के संचालन में इस्तेमाल में आने वाले औद्योगिक डीजल की कीमतों में खासी बढ़ोतरी हुई है, तो इसका सीधा प्रभाव उत्पादन की लागत पर पड़ेगा। ऐसे में जब औद्योगिक कंपनियों के मुनाफे में कमी आएगी, तो स्वाभाविक रूप से इसके असर से कई अन्य सामान महंगे हो सकते हैं। रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने के कारण लोगों को पहले ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आम उपयोग के पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी होती है, तो यह कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके बाद इसका असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और बाजार में खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़ सकती है। दरअसल, भारत अपनी जरूरत के कच्चे तेल और गैस के लिए खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। जब से ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की शुरूआत हुई है, उसके बाद भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में वहां से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। एक ओर प्रभावित देशों की ओर से यह उम्मीद की जा रही है कि किसी भी हाल में वार्ता के जरिए समस्या का हल निकाला जाए और युद्ध रुके, ताकि प्रभावित देशों में स्थिति और ज्यादा न बिगड़े। दूसरी ओर, हालत यह है कि अब युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से बड़े पैमाने पर तेल ठिकानों को भी निशाना बनाया जाने लगा है और व्यापक तबाही सामने आ रही है। जाहिर है, इससे सीधे तौर पर मध्यपूर्व के देशों से अन्य देशों के लिए तेल और गैस की आपूर्ति ठप पड़ेगी तथा इससे संकट का दायरा और विस्तृत होगा। भारत के सामने जो हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें सरकार को हर स्तर पर कूटनीतिक पहल करके कच्चे तेल और रसोई गैस की आपूर्ति का रास्ता तैयार करने को प्राथमिकता देने की जरूरत है। अगर इस मोर्चे पर टालमटोल का रुख अख्तियार किया गया, तो आने वाले दिनों में संकट का अंदाजा लगाया जा सकता है। किसी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधन, समुद्री मार्ग, पर्वत, रेगिस्तान और सीमाएं यह तय करती हैं कि वहां की राजनीति, सुरक्षा नीति और कूटनीति किस दिशा में विकसित होगी। दक्षिण-पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्वी यूरोप और उत्तर-पूर्वी अफ्रीका तक विस्तारित मध्यपूर्व की कोई स्पष्ट और सर्वमान्य भौगोलिक सीमा नहीं है। भौगोलिक जटिलताओं से प्रभावित इस क्षेत्र में इतिहास, धर्म और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों ने वैश्विक राजनीति को गहराई से प्रभावित किया है। ऊर्जा संसाधनों की प्रचुरता, सामरिक समुद्री मार्गों की उपस्थिति और महाशक्तियों के परस्पर हितों के टकराव ने मध्यपूर्व की राजनीतिक परिस्थितियों को और जटिल बना दिया है।

तेल और गैस की आपूर्ति में भारी कमी की वजह से उपजे मुश्किल से निपटने के लिए भारत ने रूस सहित अन्य विकल्पों की ओर रुख किया है, मगर इससे स्थितियों को सामान्य बनाने में सीमित मदद ही मिलेगी।

वेदवाणी

सं पूषन्विदुषा नय यो अञ्जसानुशासति।
य एवेदमिति ब्रवत्।।
(ऋग्वेद - 6:54:1:)

भावार्थ :

हे पूषन ! हे पथ के देवता !
हमें उस मनीषी के पास ले चलो,
जो सत्य का सुगम पथ प्रशस्त कर दे।
हमें उसके पास ले चलो, जो कह सके
कि बस, यही है एक गन्तव्य है।।

प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

जल समृद्ध दोआबा की त्रासदी

डॉ संजय राणा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का गंगा-यमुना दोआबा कभी अपने प्रचुर और स्वच्छ जल संसाधनों के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध रहा है। सदियों से यह क्षेत्र दो महान नदियों गंगा और यमुना के आशीर्वाद से सिंचित और समृद्ध रहा है, साथ ही कृष्णी, काली और हिंडन जैसी छोटी नदियों का साथ मिला। उपजाऊ भूमि, पर्याप्त वर्षा और भरपूर भूमिगत जल के कारण यह इलाका कृषि और मानव जीवन दोनों के लिए स्वर्ग समान माना जाता था है। यही कारण रहा कि इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग 400 से 1200 वर्ष के मध्य राजस्थान और हरियाणा से लोगों ने यहां आ कर रहना प्रारंभ किया। किंतु आज स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि वही क्षेत्र, जो कभी जल की समृद्धि का प्रतीक था, अब जल प्रदूषण और जल संकट के भयावह भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

हाल ही में सामने आई एक जल गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट इस संकट की गंभीरता को उजागर करती है। रिपोर्ट के अनुसार भूमिगत जल में कुल कठोरता Total Hardness) 960 mg तक पहुंच चुकी है, जबकि मानक सीमा 200 mg मानी जाती है। इसी प्रकार TDS (Total Dissolved Solids) का स्तर 1080 mg दर्ज किया गया है, जो यह संकेत देता है कि पानी में घुले हुए खनिज और रसायन अत्यधिक मात्रा में मौजूद हैं। मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे तत्व भी मानक सीमा के आसपास या उससे अधिक पाए गए हैं। यह स्थिति केवल पीने योग्य पानी के लिए ही नहीं, बल्कि सामान्य उपयोग के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सरल शब्दों में कहें तो यह पानी स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बन चुका है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह प्रदूषण केवल सतही जल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भूमिगत जल स्रोतों तक पहुंच चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में यह प्रदूषण 100 से 120 फीट गहराई तक दर्ज किया जा चुका है। यह तथ्य उस भ्रम को भी तोड़ देता है कि भूमिगत जल हमेशा सुरक्षित रहता है। आज स्थिति यह है कि जहां लगभग 20 से 30 वर्ष पहले तक 40-50 फीट के हैंडपंप से स्वच्छ पानी उपलब्ध हो जाता था, वहीं अब आर्थिक रूप से सक्षम लोग 200-350 फीट या उससे अधिक गहराई तक बोरिंग करवाने के लिए मजबूर हो चुके हैं।

इस भयावह स्थिति के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है?

सबसे पहला और बड़ा कारण है अनियंत्रित औद्योगिक प्रदूषण

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला रासायनिक कचरा बिना पर्याप्त शोधन के नदियों और नालों में छोड़ा जाता रहा है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा स्थानीय नदियों ने भुगता है। इन नदियों का पानी आज कई स्थानों पर इतना प्रदूषित हो चुका है कि वह जीवनदायिनी नदी की बजाय रासायनिक नाले जैसा दिखाई देता है।

दूसरा बड़ा कारण है कृषि में रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग

हरित क्रांति के बाद उत्पादन बढ़ाने की होड़ में कीटनाशकों, रासायनिक उर्वरकों और खरपतवारनाशकों का अत्यधिक उपयोग शुरू हुआ। इन रसायनों का एक बड़ा हिस्सा वर्षा और सिंचाई के माध्यम से मिट्टी के भीतर चला जाता है और धीरे-धीरे भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर देता है। नाइट्रेट, सल्फेट और अन्य रसायन इसी प्रक्रिया के माध्यम से

जल स्रोतों में घुलते जाते हैं।

तीसरा और शायद सबसे चिंताजनक कारण है व्यवस्थागत विफलता

प्रदूषण नियंत्रण के लिए बनाए गए संस्थान और विभाग अक्सर केवल कागजों तक सीमित रह जाते हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे औद्योगिक इकाइयों की निगरानी करें और प्रदूषण फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई करें, किंतु वास्तविकता यह है कि अनेक मामलों में ये संस्थाएं या तो संसाधनों की कमी का बहाना बनाती हैं या फिर भ्रष्टाचार और उदासीनता के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पातीं। परिणामस्वरूप प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग निर्भय होकर अपने अपशिष्ट जल को नदियों और जमीन में छोड़ते रहते हैं।

आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि आम जनता के पास सुरक्षित जल का विकल्प सीमित होता जा रहा है। सरकार की हर घर नल योजना निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यदि स्रोत का पानी ही प्रदूषित होगा तो पाइपलाइन से आने वाला पानी भी सुरक्षित नहीं रहेगा। दूसरी ओर आर्थिक रूप से संपन्न लोग गहरे बोरिंग, महंगे फिल्टर और आरओ सिस्टम के सहारे अपनी व्यवस्था कर लेते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवार वही प्रदूषित पानी पीने के लिए मजबूर रहते हैं।

यह केवल पर्यावरण का संकट नहीं है; यह सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर खतरा है। दूषित जल के कारण पेट और आंतों के रोग, त्वचा संबंधी समस्याएं, किडनी की बीमारियां और यहां तक कि कैंसर जैसी घातक बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र जल संकट और स्वास्थ्य संकट दोनों का केंद्र बन सकता है। समस्या गंभीर है, लेकिन समाधान असंभव नहीं। सबसे पहले औद्योगिक इकाइयों के लिए शून्य सहनशीलता ((Zero Tolerance) की नीति अपनानी होगी। बिना शोधन के अपशिष्ट जल छोड़ने वाले उद्योगों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। दूसरी ओर कृषि में रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन जैसे कदम भी अत्यंत आवश्यक हैं।

सबसे महत्वपूर्ण है जनजागरूकता और सामुदायिक भागीदारी। जब तक समाज स्वयं जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण को अपनी जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक केवल सरकारी योजनाएं इस समस्या का समाधान नहीं कर पाएंगी।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश का दोआबा कभी प्रकृति की उदारता का प्रतीक था। आज वही क्षेत्र मानव लालच और लापरवाही की कीमत चुका रहा है। सवाल यह है कि क्या हम समय रहते चेतेंगे, या फिर आने वाली पीढ़ियों के लिए केवल प्रदूषित नदियां और जहरीला पानी ही छोड़कर जाएंगे?

क्योंकि सच यही है – यदि पानी बचा रहेगा, तभी भविष्य बचेगा।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था।इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 59

गतांक से आगे ...

भगवान राम ने जब यह कहा तो अश्वपति ने कहा, 'यह तो मैंने तुम्हारा वाक्य स्वीकार कर लिया। भगवान्-राम ने कहा कि तुम उन प्रजाओं को ब्रह्मज्ञान कितना देते हो?' अश्वपति ने कहा 'प्रभु! मैं ब्रह्मज्ञान तो नहीं दे पाता हूँ।' उन्होंने कहा 'नैतिक वाक्य कितने उच्चारण करते हो?' अश्वपति ने कहा 'प्रभु! यह मैं नहीं करता हूँ।' तो राम ने कहा कि 'जाओ, तुम प्रजा को नैतिकता की शिक्षा दो। तुम प्रजा को दर्शनों की आभा में रत्त कराओ और उसके पश्चात् निःस्वार्थ हो जाओ।' तो महाराजा अश्वपति ने भगवान राम के इन वाक्यों को पान तो कर लिया परन्तु उनके विचार में यह आया कि 'यदि वह मेरे विचार को स्वीकार न करें तो मैं उस समय क्या कर सकता हूँ।' भगवान राम ने अश्वपति से कहा 'हे अश्वपति! जिस समय तुम्हारा पुत्र तुम्हारी अवहेलना करे क्योंकि अवहेलना की कोई सीमा होती है,जब सीमा से वह पार हो जाये तो तुम त्यागने का प्रयास करो। प्रजा में तुम स्वतः अपने राष्ट्र को त्याग करके और ब्रह्मवेत्ता बन करके अग्नि के समान तुम भयक्रर वन में तपस्या करने चले जाओ।'

भगवान राम का जीवन कितना विचित्र रहा है। विभिन्न राजा-महाराजा उनके दर्शनार्थ, विचारार्थ उनके समीप आते रहते। एक समय सुबाहु राजा भगवान राम के दर्शनार्थ पंचवटी में आये और यह विचार-विनिमय करने लगे कि प्रजा में संग्रह की प्रवृत्ति का निराकरण कैसे हो।

उन्होंने राम से कहा कि ''मैं कृषि उद्गम द्वारा अपने उदर की पूर्ति करता हूँ, गृह स्वामिनी से भी यही कहता हूँ। परन्तु मैं प्रजा की उस सङ्ग्रह प्रवृत्ति को समाप्त नहीं कर सका हूँ। क्योंकि जब मेरे हृदय में

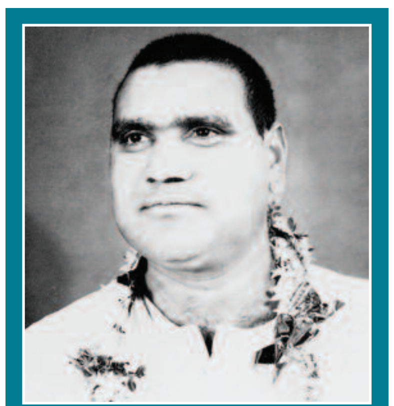

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

सङ्ग्रह की प्रवृत्ति बनी हुई है प्रजा की भी सङ्ग्रह की प्रवृति बनी हुई है। जब सङ्ग्रह की प्रवृत्ति प्रजा में आती जा रही है तो मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि रक्तभरी क्रान्ति का संचार हो जायेगा। भगवन्! मेरे राष्ट्र में सम्प्रदाओं का एक स्रोत बह रहा है। प्रभु के नाम पर नाना सम्प्रदाय हैं,नाना प्रकार की कृतियाँ बनी हुई हैं।'

भगवान राम ने कहा 'राजन! तुम चाहते क्या हो?' उन्होंने कहा 'प्रभु! मैं अपने राष्ट्र को महान बनाना चाहता हूँ।' तो उस समय भगवान राम ने यह कहा कि 'तुम्हारे राष्ट्र में वैदिकता होनी चाहिये। सबसे प्रथम तो प्रजा में धर्म के नाम पर,प्रभु के नामों पर नाना प्रकार के स्वादन की स्थलियाँ नहीं रहनी चाहिये। क्योंकि नाना प्राकर के स्वादनों की स्थलियाँ बनी रहेंगी तो उसके बनने का परिणाम यह होगा कि तुम्हारा राष्ट्र रक्तभरी क्राँति की और संचालित हो जायेगा। तुम्हारा एक वैदिक प्रसार होना चाहिये। हमारे ऋषि-मुनियों ने एक पद्धति का निर्माण किया है। उन्होंने कहा है कि, राजा के राष्ट्र में, प्रजा में, समाज में, पाँच प्रकार का पंचीकरण परमात्मा के नामों पर होना चाहिये। वह पंचीकरण कौन सा है? प्रातःकालीन प्रत्येक गृह में ब्रह्म का चिन्तन होना चाहिये। पति-पत्नी ब्रह्म का चिन्तन करने वाले हों।

उसके पश्चात प्रातःकालीन देवपूजा होनी चाहिये, सुगन्धि होनी चाहिये। प्रत्येक गृह में वेदध्वनि होनी चाहिये और अग्न्याधान करके याग होना चाहिये और तृतीय यह है कि अतिथि सत्कार होना चाहिये। कोई भी अतिथि आये, उसको भोजन कराना और बलिवैश्वयाग करना। भोजनालय में मेरी प्यारी माता, प्रत्येक प्राणी का भोग निर्धारित कर देती है। तो यह पंचीकरण कहलाता है। इस पंचीकरण में राजा के राष्ट्र में जो प्रत्येक गृह है,पति-पत्नी हैं, बाल्य हैं, वह सब इस सूत्र में पिरोये हुए होने चाहिये। प्रभु का चिन्तन तो प्रायः करना ही चाहिये। परन्तु जब भी समय मिले तो स्वाध्याय करे,समय मिले ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करे, समय मिले तो ब्रह्मवचोर्सी बन जाये। ब्राह्मण का क्रियाकलाप होना चाहिये।'' क्रमशः ..

टोल प्लाजा भी आता है उपभोक्ता कानून के दायरे में!

डॉ श्रीगोपाल नारसन
एडवोकेट

उपभोक्ता संरक्षण आयोग ने टोल प्लाजा के विरुद्ध कई महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं, जिनमें 'सेवा में कमी' के आधार पर अवैध टोल वसूली दो बार शुल्क लेना और सुविधाएं न देना जैसे मामलों में टोल कंपनियों पर भारी जुमार्ना लगाया गया है, साथ ही गलत वसूली गई राशि को ब्याज सहित वापस करने और मुआवजे का आदेश दिया है। जिससे स्पष्ट है कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत टोल प्लाजा भी उपभोक्ता सेवाओं के दायरे में आता हैं। टोल शुल्क लेने के बावजूद यात्रियों को पर्याप्त और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध नहीं कराना भी सेवा में कमी माना गया है। फास्टैग से गलत कटौती होने पर भी शिकायत की जा सकती है, और आईएचएमसीएल जैसी संस्थाएं जांच करने के बाद शिकायत सही पाए जाने पर रिफंड देती हैं और गलती करने वाले ऑपरेटर पर जुमार्ना लगाती हैं। मध्यप्रदेश में सागर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह राजपूत से टोल प्लाजा पर 2 बार टोल टैक्स वसूले जाने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने फैसला सुनाया है। आयोग ने टोल टैक्स कंपनी को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए 5 हजार का हजार्ना और 2 हजार रुपए वाद खर्च के साथ अधिक कटी टोल टैक्स की राशि 6प्रतिशत ब्याज सहित चुकाने का आदेश दिया है।31 दिसंबर 2024 को जब सागर जिला न्यायालय के अधिवक्ता संघ अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राजपूत निजी काम से सागर के गढाकोटा जा रहे थे, जैसे ही वह सागर दमोह मार्ग पर स्थित चनाटोरिया प्लाजा पहुंचे, तो डंडा लिए खड़े टोलकर्मियों ने उन्हें रोका और बार-बार उनकी कार को आगे पीछे कराया।

इसके बाद वह कहने लगे कि हमारी मशीन ठीक से काम नहीं कर रही है, आपको टोल टैक्स नगद देना होगा। जितेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि 'उनकी कार के फास्टैग में बैलेंस है, उसी से टोल टैक्स काट लें, लेकिन कर्मचारियों ने सर्वर खराब होने की बात कहकर नगद पैसे देने को कहा, जिसपर उन्होंने 25 रुपए नगद दिए। जिसके एवज में उन्हें सुबह10:53

बजे पर रसीद दी गयी।लेकिन कुछ देर में उनके मोबाइल में फास्टैग से 25 रुपए काटे जाने का मैसेज आया, जिसमें सुबह10:51बजे का समय दिया गया था।उन्होंने वापस जाकर टोल टैक्स वालों से शिकायत की, तो उन्होंने कम्प्यूटर की गड़बड़ी बताकर पैसे देने से मना कर दिया।₹उपभोक्ता आयोग में केस दायर करने पर टोल मैनेजर गोपाल सोनी ने स्वयं उपस्थित होकर अपनी गलती स्वीकार की और बताया कि तकनीकी खराबी के कारण 2 बार टोल ले लिया गया है, जिसे वे वापस करना चाहते है।₹जिस पर उपभोक्ता आयोग ने कहा कि ₹4 माह हो गए, अब तक क्यों वापस नहीं किया।जिसका संतोषजनक जवाब न देने पर जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष राजेश कोष्टा और सदस्य अनुभा वर्मा ने टोल राशि वापस ना करने और सेवा में कमी मानते हुए टोल प्लाजा को 25 रूपए पर 6 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस देने, दो बार टोल लेने और राशि वापस नहीं करने पर सेवा में कमी मानते हुए 5000 रुपए हजार्ना और 2 हजार रुपए वाद खर्च देने का आदेश दिया है।₹इसी प्रकार टोल प्रबंधन द्वारा अधिक टोल टैक्स लेने के मामले की सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग रेवाड़ी ने टोल प्लाजा प्रबंधन को आदेश दिए हैं कि उपभोक्ता से ली गई अधिक टोल राशि वापिस की जाए व उपभोक्ता को 10 हजार रुपए का हजार्ना व केस खर्चा भी अदा करे।उक्त मामले में उपभोक्ता रामकिशन सैनी अपनी निजी कार से परिवार सहित 13 सितम्बर 2022 को रेवाड़ी से नारनौल गया था। जब उनकी गाड़ी काठुवास टोल प्लाजा पर पहुची तो उनकी गाड़ी के फास्ट टैग से नियमानुसार 65 रुपए का भुगतान ऑटोमैटिक कट गया, जिसके उपरांत वह उसी दिन सायं 8 : 17 बजे नारनौल से रेवाड़ी आ रहे थे ओर दोबारा से काठुवास टोल प्लाजा को पार करने लगे तो नियमानुसार उसी दिन 24 घण्टे में वापिस आने पर नियमानुसार फास्ट टैग से 35 रुपये ऑटोमैटिक कटने थे, क्योकि 24 घण्टे में वापिसी करने पर नियमानुसार आधे पैसे लेने का प्रावधान है, परन्तु काठुवास टोल टेक्स प्लाजा ने 35 रुपए के बजाय 65 रुपये काट लिया, जिसका उपभोक्ता ने विरोध भी किया, लेकिन टोल प्लाजा कर्मचारियो ने उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया।

उपभोक्ता ने एक नोटिस भी टोल प्लाजा प्रबंधन को भिजवाया और नोटिस प्राप्त होने के तुरंत बाद टोल टैक्स प्लाजा ने 35 रुपए शिकायतकर्ता के खाते में जमा कर दिए, लेकिन तब तक उपभोक्ता अपनी शिकायत उपभोक्ता आयोग में कर चुका था और उसका यह मकसद भी था कि टोल टैक्स वाले आमजन को परेशान करना बंद करे। उपभोक्ता आयोग ने टोल प्लाजा प्रबंधन को तलब किया। दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें आयोग के समक्ष रखी। उपभोक्ता आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आदेश दिया कि टोल प्लाजा प्रबंधन,पीड़ित उपभोक्ता को 10 हजार रुपए का भुगतान बतौर हजार्ने के रुप में करे। इसी तरह जयपुर के दौलतपुरा टोल प्लाजा पर बिना हाईवे क्रॉस किए कार के फास्टैग से 55 रुपये टोल काटने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए टोल प्लाजा प्रबंधक पर 45हजार रुपये हजार्ना और काटे गए 55 रुपये 9प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है।उक्त मामले में पीड़ित उपभोक्ता के मुताबिक, उसकी कार घर में खड़ी थी,तब भी नेशनल हाईवे पर स्थित दौलतपुरा टोल प्लाजा से टोल काटने का मैसेज आ गया और खाते से पैसे कट गए।जिसे उपभोक्ता आयोग ने उपभोक्ता सेवा में घोर लापरवाही माना है।

(लेखक उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता है)

टोल शुल्क लेने के बावजूद यात्रियों को पर्याप्त और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध नहीं कराना भी सेवा में कमी माना गया है। फास्टैग से गलत कटौती होने पर भी शिकायत की जा सकती है, और आईएचएमसीएल जैसी संस्थाएं जांच करने के बाद शिकायत सही पाए जाने पर रिफंड देती हैं और गलती करने वाले ऑपरेटर पर जुर्माना लगाती हैं।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

नवनिर्माण के 9 वर्ष: बागपत में विकास महोत्सव का भव्य समापन, प्रभारी मंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां

बोले प्रभारी: यूपी अब समस्या नहीं, समाधान का प्रदेश, बागपत दे रहा यूपी में विकास को नई गति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद बागपत में आयोजित ‘संकल्प से सिद्धिः सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि’ विकास महोत्सव के तीसरे दिन जनपद के प्रभारी मंत्री एवं राज्यमंत्री औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य जसवंत सिंह सैनी ने कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता कर सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सूचना विभाग द्वारा विशेष डॉक्यूमेंट्री का भी प्रसारण किया गया, जिसने बीते वर्षों में प्रदेश में आए व्यापक बदलाव की झलक प्रस्तुत की। इस दौरान नौ वर्ष की उपलब्धियों तथा विकास यात्रा पर आधारित पुस्तक एवं फोल्डर का वितरण किया गया।

बागपत के ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल पुरा महादेव गांव को भारत सरकार द्वारा ‘सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव’ के रूप में मान्यता मिली जिसे प्रदेश सरकार की नौ वर्ष की उपलब्धियों से जुड़ी पुस्तक में विशेष स्थान मिला है। बागपत जनपद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से प्रेरित होकर विकसित यूपी निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास, सुशासन और समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है। प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश प्रेरणा का प्रदेश बन चुका है। सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुआ है, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पेंशन राशि को बढ़ाकर 1500 रुपये किया जा रहा है, जिससे कमजोर वर्गों को और अधिक सहारा मिलेगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की चिंता नहीं रहती, क्योंकि सरकार स्वयं कन्यादान कर उन्हें सम्मान के साथ विदा करने का कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आज महिलाएं ‘लखपति दीदी’ बनने का सपना देख रही हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार की योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सफल हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कौशल विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं। आज युवा शिक्षा और तकनीक से जुड़ रहे हैं, उन्हें स्मार्टफोन और लैपटॉप के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है और यही युवा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना जैसी पहलों से जुड़कर नए उत्तर प्रदेश के निर्माण में भागीदार बन रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि नेतृत्व की प्रतिबद्धता से आता है। ‘मोदी है तो मुमकिन है और योगी है तो यकीन है’–इसी विश्वास के साथ उत्तर प्रदेश आज देश का ग्रोथ इंजन बनकर उभर रहा है और विकसित भारत के लक्ष्य को दिशा दे रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान बागपत के विकास से जुड़े ठोस आंकड़े भी प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने इस परिवर्तन को प्रमाणित किया। कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जनपद के 1,19,285 किसानों को 416.52 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। गन्ना किसानों को 90,172 किसानों के माध्यम से 8024.30 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 154 आवासों का निर्माण कर पात्र परिवारों को छत उपलब्ध कराई गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में 11,921 आवासों का निर्माण कर हजारों परिवारों को सम्मानजनक जीवन मिला। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 51,702 और शहरी क्षेत्रों में 3,460 शौचालयों का निर्माण कराया गया, वहीं 244 ग्रामीण और 163 शहरी सामुदायिक शौचालय बनाकर खुले में शौच से मुक्ति सुनिश्चित की गई।

पेंशन योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को मजबूत आधार मिला। निराश्रित महिला पेंशन के तहत 20,154 महिलाओं, वृद्धावस्था पेंशन के अंतर्गत 30,784 लाभार्थियों और दिव्यांगजन पेंशन के तहत 6,395 लोगों को सहायता प्रदान की गई। साथ ही 2 करोड़ रुपये से अधिक के सहायक उपकरण वितरित कर 2,153 दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 5,249 बेटियों को आर्थिक सहायता देकर उनके जीवन की नई शुरूआत सुनिश्चित की गई। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 3,76,066 लाभार्थियों के कार्ड बनाए गए और लगभग 100 करोड़ रुपये का उपचार व्यय वहन किया गया, जिससे गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत 19,306 बेटियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके भविष्य को सुरक्षित किया गया।

स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 11,426 स्ट्रीट वेंडर्स को 26 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया गया। उज्ज्वला योजना के तहत 45,014 परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर महिलाओं को धुएं से राहत मिली। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत 972 युवाओं को लगभग 2.95 करोड़ रुपये का ऋण देकर उन्हें उद्यमी बनने का अवसर प्रदान किया गया। औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी बागपत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। लगभग 2078 करोड़ रुपये के निवेश से 6,000 लोगों को रोजगार मिला, जबकि ओडीओपी योजना के तहत 353 करोड़ रुपये का निर्यात कर जिले को औद्योगिक पहचान मिली।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की बात करें तो लोक निर्माण विभाग द्वारा 142.51 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण किया गया, 90.24 करोड़ रुपये की लागत से पुल बनाए गए, 30.39 करोड़ रुपये से अस्पतालों का निर्माण हुआ और 46.32 करोड़ रुपये से कॉलेज, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थान स्थापित कर युवाओं को शिक्षा और कौशल के अवसर प्रदान किए गए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 271.99 करोड़ रुपये की लागत से 201 पेयजल परियोजनाओं का निर्माण कर लाखों ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 5,197 स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिलाओं को 132 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली।

इस दौरान जिलाधिकारी की पहल पर तैयार विशेष जिला कैलेंडर का विमोचन किया गया तथा स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पाद अतिथियों को भेंट किए गए। प्रभारी मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इस अवसर पर बागपत विधायक योगेश धामा, छपरौली विधायक डॉ. अजय कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा ,जिलाधिकारी अस्मिता लाल सहित अन्य उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

वहीं बड़ौत नगर पालिका के गांधी पार्क में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय महोत्सव एवं प्रदर्शनी मेले के अंतर्गत आज सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नुक्कड़ नाटकों ने जनजागरूकता को नई ऊर्जा दी। कलाकारों ने सरकार की योजनाओं और सामाजिक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। तीन दिनों तक चले इस विकास महोत्सव ने यह स्पष्ट कर दिया कि उत्तर प्रदेश में योजनाएं केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन का माध्यम बन चुकी हैं। बागपत इसका जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है, जहां हर वर्ग–किसान, महिला, युवा, उद्यमी और गरीब–सरकार की योजनाओं से सशक्त हो रहा है। इस दौरान विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों ने खूब योजनाओं की जानकारी ली और खरीददारी की। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कारीगरों को इलेक्ट्रिक चाक एवं प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 50 लाख रुपये का रिवॉल्विंग फंड का चेक प्रदान किया गया। अब प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विकास खंडों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

वर्ल्ड चैंपियन मैरी कॉम ने दी बागपत की महिला शक्ति को नई प्रेरणा, बच्चों को मिली नन्ही कली

कचरे से सृजन की मिसाल: प्लास्टिक बोतलों के रेशों से महिलाओं ने तैयार की गुड़िया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नवाचार से सामाजिक बदलाव की पहचान बन चुके बागपत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यदि सोच सकारात्मक हो, तो चुनौतियां ही अवसर बन जाती हैं। खिलाड़ियों की धरती, संघर्ष की मिट्टी और सपनों की उड़ान से पहचाने जाने वाले इस जनपद में आज खेल जगत के सितारों का आगमन हुआ। बागपत ने आज ‘नन्ही कली’ देसी गुड़िया के रूप में एक ऐसा नवाचार प्रस्तुत किया है जो न केवल बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाएगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक मजबूत संदेश देगा।

आज जब पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति अभियान की शुरूआत हो रही थी, उसी समय बागपत प्रशासन ने इस अभियान को एक नई दिशा देते हुए ‘नन्ही कली’ देसी रैग डॉल को लॉन्च किया। इस अनूठी पहल की शुरूआत उस समय हुई जब महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित जीरो वेस्ट महोत्सव के बाद प्लास्टिक कचरे का बड़ा ढेर प्रशासन के सामने चुनौती बनकर खड़ा था।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के नेतृत्व में जीरो वेस्ट के संकल्प के साथ इस प्लास्टिक कचरे के बेहतर निस्तारण हेतु कार्य किया। विशेष तकनीक के माध्यम से प्लास्टिक बोतलों को बारीक रेशों में परिवर्तित किया गया, जो देखने में बिल्कुल कपास जैसे मुलायम थे। इसके साथ ही पुराने और अनुपयोगी कपड़ों को भी प्रोसेस कर उपयोगी बनाया गया। इन्हीं दोनों तत्वों के संयोजन से जन्म हुआ ‘नन्ही कली’ देसी गुड़िया का जो कचरे से बनी है, लेकिन अपने भीतर एक नई सोच, नई दिशा और नई उम्मीद को संजोए हुए है।

‘नन्ही कली’ को बागपत के गांवों की महिलाओं ने अपने हाथों से तैयार किया है। सुई-धागे से सजी यह गुड़िया उनके हुनर, धैर्य और मेहनत की कहानी कहती है। यह पहल महिलाओं को केवल रोजगार नहीं दे रही, बल्कि उन्हें समाज में एक नई पहचान भी दे रही है। जो महिलाएं पहले घर की चारदीवारी तक सीमित थीं, आज वे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते हुए अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं। ‘नन्ही कली’ के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिल रहा है। 500 से 1000 रुपये की कीमत वाली यह गुड़िया बाजार में न केवल एक उत्पाद के रूप में, बल्कि एक विचार के रूप में स्थापित हो रही है।

‘लोकल के लिए वोकल’ का बना सशक्त उदाहरण

इस गुड़िया का नाम ‘नन्ही कली’ अपने आप में एक गहरा संदेश समेटे हुए है। यह नाम बेटियों की मासूमियत, उनकी क्षमता और उनके उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। यह पहल समाज में प्रचलित उन रूढ़िवादी सोच पर प्रहार करती है, जो बेटियों को सीमित दायरे में देखने की कोशिश करती हैं। ‘नन्ही कली’ यह संदेश देती है कि बेटियां केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संभावनाओं का अनंत स्रोत हैं। यदि उन्हें सही अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास मिले, तो वे किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

एक समय था जब दादी-नानी अपने हाथों से कपड़े की गुड़िया बनाकर बच्चों को देती थीं। यह परंपरा धीरे-धीरे आधुनिक खिलौनों के कारण समाप्त होती जा रही थी। बागपत की यह पहल उस परंपरा को फिर से जीवित करने का प्रयास है। यह बच्चों को अपनी संस्कृति, अपनी जड़ों और अपनी पहचान से जोड़ने का कार्य करती है।

> ● देसी गुड़िया से देशभर में पहुंचेगी बागपत की कहानी, जीरो वेस्ट के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा बागपत

यह पहल ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ और मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों को भी मजबूती प्रदान करती है। यह समाज को यह सोचने पर मजबूर करती है कि हर बेटी एक कली है, जिसे खिलने का अवसर मिलना चाहिए।

कार्यक्रम में विश्व चैंपियन बॉक्सर और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया। उनकी प्रेरणादायक बातें वहां मौजूद हर बच्चे, हर महिला और हर युवा के दिल को छू गईं। उन्होंने अपने संघर्षों की कहानी साझा करते हुए बताया कि सफलता किसी विशेष वर्ग की मोहताज नहीं होती। मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से कोई भी व्यक्ति अपने सपनों को साकार कर सकता है। उन्होंने विशेष रूप से बेटियों और दिव्यांग बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खुद को कभी कम मत समझो, हर व्यक्ति विशेष है। उनकी बातों ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं के भीतर एक नई ऊर्जा भर दी। बच्चों ने उनसे सवाल पूछे, अपने सपने साझा किए और उनके अनुभवों से सीख ली। यह संवाद युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का माध्यम बन गया।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बेटियों को भविष्य बताते हुए समाज से सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया और नन्ही कली को बेटियों की प्रगति का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर हितेश चौधरी की उपस्थिति रही जिन्होंने बागपत प्रशासन के नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि अब जिले की पहचान बेटियां बन रही हैं।

वहीं इस अवसर पर नन्ही कली पर आधारित विशेष पुस्तिका का विमोचन और डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राएं, मिशन शक्ति पुलिस टीम, एथलीट्स, बॉक्सिंग व तीरंदाजी खिलाड़ी, माय भारत स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

इस दौरान मैरी कॉम ने विशेष बॉक्सिंग ग्लव्ज पर हस्ताक्षर कर भेंट किए। वहीं प्रशासन की ओर से उन्हें महादेव मंदिर अंकित स्मृति चिन्ह, पारंपरिक परिधान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम की विशेष घड़ी तथा ‘नन्ही कली – मैरी कॉम एडिशन’ भेंट की गई। मैरी कॉम ने बागपत में अपने फाउंडेशन के माध्यम से बॉक्सिंग को बढ़ावा देने हेतु विशेष प्रयास करने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में साक्षी, दिव्या, मीनाक्षी, सूजी, एसडीएम अमरचंद वर्मा, डिप्टी कलेक्टर मनीष कुमार यादव, पूनम सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन का एक और महत्वपूर्ण पहलू रहा दिव्यांग बच्चों की भागीदारी। पहली बार प्रशासन के सहयोग से उन्हें इतना बड़ा मंच मिला, जहां उन्होंने योग और देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उनकी प्रस्तुति ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। दर्शकों और अतिथियों ने उनकी सराहना करते हुए उन्हें असली हीरो बताया।

बागपत, जो पहले केवल खिलाड़ियों की धरती के रूप में जाना जाता था, अब नवाचार और नारी शक्ति के केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। ‘नन्ही कली’ इस बदलाव की प्रतीक है। ‘नन्ही कली’ केवल एक खिलौना नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है – पर्यावरण बचाने का, महिलाओं को सशक्त बनाने का, बेटियों को आगे बढ़ाने का और समाज को सकारात्मक दिशा देने का।

नन्ही कली’ एक ऐसी कहानी है जो कचरे से शुरू होकर उम्मीद पर खत्म होती है। यह कहानी है संघर्ष की, सृजन की, आत्मनिर्भरता की और सपनों की। बागपत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो हर चुनौती एक नई शुरूआत बन सकती है – और हर ‘नन्ही कली’ एक दिन पूरे देश को महकाने की ताकत रखती है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विनीत उपाध्याय (वि/रा), एसडीएम बागपत अमरचंद वर्मा, एसडीएम खेकड़ा निकेत वर्मा, एसडीएम बड़ौत भावना सिंह, डिप्टी कलेक्टर मनीष यादव एवं ज्योति शर्मा, ईओ केके भड़ाना, जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

साधना से मर्यादा तक: चैत्र नवरात्र और रामनवमी की शक्ति संस्कृति

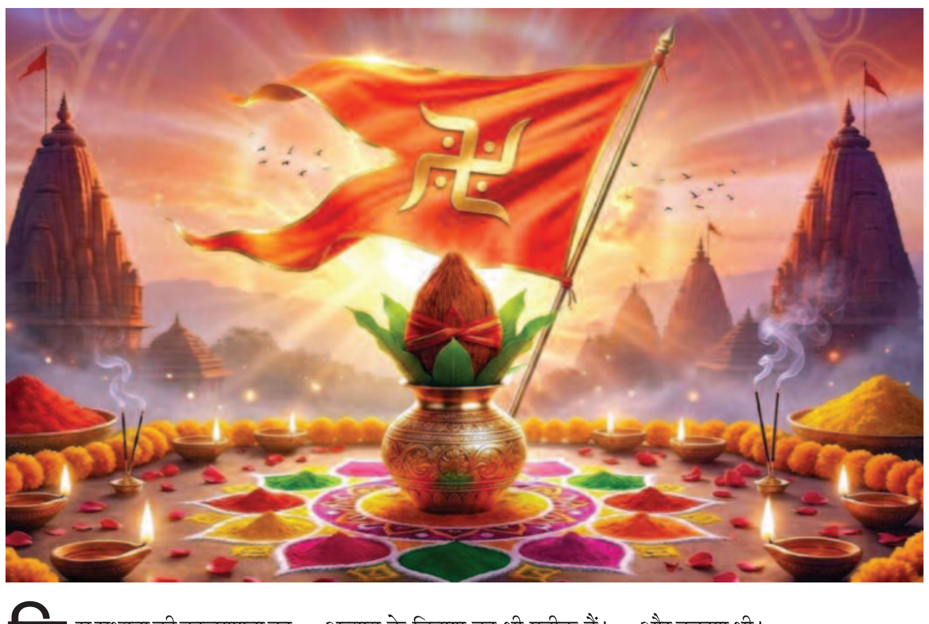

जिस सभ्यता की कालगणना का प्रथम उच्चार ही शक्ति साधना से होता है, वह सभ्यता स्वभाव से कभी भीरु नहीं हो सकती। किंतु इतिहास की विडंबना देखिए कि निरंतर आक्रमणों और वैचारिक उपनिवेशवाद ने उसी समाज के मन में ऐसी मानसिक जड़ता भर दी कि शक्ति उपासना का जीवंत दर्शन कर्मकांड में सिमटता चला गया। शस्त्र पूजन प्रतीक बनकर रह गया। शौर्य के संस्कार क्षीण पड़ते गए।

चैत्र नवरात्र केवल घटस्थापना, व्रत और मंत्रोच्चार तक सीमित अनुष्ठान नहीं है। यह साधना, संयम और शक्ति उपासना का वह नौ दिवसीय तप है, जिसने भारत को विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठा दिलाई।

शक्ति केवल देवी का स्वरूप नहीं है। वह जीवन के प्रत्येक आयाम में सक्रिय चेतना है। इसी दृष्टि से भारत में स्त्री को ‘शक्ति’, मातृभूमि को ‘भारत माता’ और प्रकृति को पूज्य माना गया। यह वह सांस्कृतिक दृष्टि है, जिसमें आध्यात्म, समाज और प्रकृति परस्पर एक सूत्र में बँधे हैं।

नवरात्र का अर्थ है- अंधकार पर चेतना का विजय अभियान। इन नौ दिनों में जिस आदिशक्ति की आराधना होती है, वह ऐसी ऊर्जा है जो सृजन भी हैं और संहार भी। करुणा भी हैं और पराक्रम भी। भारतीय परंपरा ने इसी शक्ति को ‘देवी’ रूप में प्रतिष्ठित किया है।

देवी दुर्गा मातृत्व का ही नहीं, अन्याय के विनाश का भी प्रतीक हैं। उनके हाथों में शस्त्र इसलिए हैं, क्योंकि भारतीय दर्शन अन्याय के समक्ष निष्क्रिय सहिष्णुता को धर्म नहीं मानता। शक्ति उपासना का संदेश स्पष्ट है- धर्मरक्षा के लिए सामर्थ्य अनिवार्य है।

इतिहास बताता है कि जब भारत ने शक्ति साधना को जीवित रखा, तब वह विश्व में सम्मानित रहा। जब आत्मबल से विमुख हुआ, तब दासता और अपमान का भागी बना, क्योंकि शक्ति के अभाव में अहिंसा विवशता बन जाती है।

भीरुता वाली इसी मानसिक जड़ता को तोड़ने का पर्व है- नवरात्र। यह आत्मरक्षा, आत्मसम्मान और धर्मनिष्ठ साहस का जागरण है। यह स्मरण कराता है कि सज्जनता का अर्थ समर्पण नहीं होता। सहिष्णुता का अर्थ आत्मविस्मृति नहीं है।

नवरात्र की पूर्णता रामनवमी पर होती है। भगवान श्रीराम भारतीय मानस के केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि आचरण की मयार्दा, शासन की नैतिकता और सामाजिक संतुलन के आदर्श हैं। यदि नवरात्र शक्ति का प्रतीक है तो रामनवमी मयार्दा का संदेश।

शक्ति बिना मयार्दा, विनाशकारी होती है और मयार्दा बिना शक्ति दुर्बलता का प्रतीक। भारतीय दर्शन इन दोनों के संतुलन की शिक्षा देता है।

यही संतुलन भारत की सांस्कृतिक आत्मा का मूल है। इसमें साहस भी है और संवेदनशीलता भी। पराक्रम भी है और करुणा भी।

चैत्र नवरात्र और रामनवमी भारतीय आत्मा के दो आयाम हैं- शक्ति और मयार्दा। एक साहस देती है, दूसरी दिशा। एक अन्याय के विरुद्ध खड़ा करती है, दूसरी संयम सिखाती है। बताती हैं कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान का नाम नहीं, बल्कि भारत की जीवन पद्धति का वह सांस्कृतिक स्वरूप है, जिसमें अनेक देवपरंपराएँ, भाषाएँ और लोकाचार समाहित हैं। यही सांस्कृतिक चेतना भारत को केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि जीवंत सभ्यता बनाती है।

यही सांस्कृतिक आत्मविश्वास, राष्ट्रशक्ति का आधार है। राष्ट्र केवल सीमाओं से सुरक्षित नहीं होता। वह नागरिकों के आत्मबल से सुरक्षित होता है। मानसिक दुर्बलता किसी भी राष्ट्र को भीतर से खोखला कर देती है।

यह संतोष की बात है कि आधुनिक भारत में अपनी जड़ों की ओर लौटने की प्रवृत्ति तेज हुई है। मंदिरों में बढ़ती श्रद्धा, तीर्थयात्राओं का विस्तार और पारिवारिक परंपराओं का पुनर्जीवन संकेत देते हैं कि भारत अपनी सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति पुनः सजग हो रहा है। अब परंपरा पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का आधार मानी जा रही है।

स्मरण रहे कि शक्ति साधना से विमुख समाज अपनी पहचान खो देता है। मयार्दा त्यागने वाला समाज अराजकता में डूब जाता है। भारत का मार्ग इन दोनों के संतुलन में है।

राज्यपाल ने प्रो0 मधु चतुवेर्दी को बनीं हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया

यह सम्मान केवल डॉ0 मधु चतुवेर्दी का ही नहीं, बल्कि पूरी मातृशक्ति का सम्मान है: सुधीर गिरि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के अधीन विश्व प्रसिद्ध रामपुर रजा लाइब्रेरी एण्ड म्यूजियम की अध्यक्षा महामहिम राज्यपाल ने वेंक्टेश्वरा की मानविकी विभाग की प्रो0, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 मधु चतुवेर्दी को ''हिन्दी सलाहकार समिति'' का सदस्य नामित करने पर विश्वविद्यालय में एक शानदार अभिनन्दन समारोह आयोजित कर प्रो0 मधु चतुवेर्दी को पटका, पगड़ी, तुलसी पौधा, गंगाजल एवं सम्मान चिन्ह देकर किया सम्मानित।

यह सम्मान केवल डॉ0 मधु चतुवेर्दी या श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय का ही नहीं, बल्कि पूरी मातृशक्ति का सम्मान है- श्री सुधीर गिरि, संस्थापक अध्यक्ष वेंक्टेश्वरा समूह।

आदरणीय प्रो0 मधु चतुवेर्दी द्वारा रचित महाकाव्य ''देवयानी'' विश्व में किसी भी महिला द्वारा रचित प्रथम महाकाव्य है जिसे विश्वविद्यालय गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड'' में दर्ज करने के लिए दावा पेश करेगा- डॉ0 राजीव त्यागी, प्रतिकुलाधिपति श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय।

किसी बड़े पद पर आपका मनोनयन या कोई बड़ा सम्मान मिलने से संस्थान, समाज एवं देश के प्रति आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है- प्रो0 (डॉ0) मधु चतुवेर्दी, प्रोफेसर मानविकी एवं अध्यक्षा

विश्वविद्यालय सांस्कृतिक प्रकोष्ठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में वेंक्टेश्वरा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की अध्यक्षा प्रो0 मधु चतुवेर्दी को महामहिम राज्यपाल महोदया आनन्दीबेन पटेल द्वारा हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित किये जाने पर संस्थान में एक शानदार अभिनन्दन व सम्मान समारोह आयोजित कर प्रो0 मधु चतुवेर्दी को शॉल, गंगाजल, तुलसी पौधा, पगड़ी एवं सम्मान चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन/अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि संस्थान के लिए सम्मान की बात नहीं है बल्कि पूरी मातृशक्ति के सम्मान एवं गौरव का मनोनयन है।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के डॉ0 सी0वी0 रमन सभागार में ''अभिनन्दन समारोह'' का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, प्रो0 मधु चतुवेर्दी, प्रभारी कुलपति युवराज सिंह, विख्यात साहित्यकार व ओज के हस्ताक्षर डॉ0 राहुल अवस्थी, कुलसचिव डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवित करके किया।

प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि आज मातृशक्ति प्रत्येक क्षेत्र में ना सिर्फ पुरूषो के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर कदमताल कर रही है, बल्कि कला, साहित्य, स्पोर्टस, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, शोध व नवाचार समेत सभी क्षेत्रों में उनसे चार कदम आगे है। पिछले एक दशक में वेंक्टेश्वरा संस्थान ने मातृशक्ति की उपलब्धियों के बल पर दो दर्जन से अधिक राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियाँ की है। अभिनन्दन समारोह को वरिष्ठ कवि डॉ0 राहुल अवस्थी प्रभारी कुलपति युवराज सिंह, कुलसचिव प्रो0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर ग्रुप एडवाईजर प्रो0 आर0एस0 शर्मा, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 थॉमस, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 सुमन, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 आरती, डॉ0 ज्योति, डॉ0 विकास पाण्डेय, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 श्रीराम गुप्ता, डॉ0 स्नेहलता, दीक्षा, मारूफ चैधरी, एस0एस0 बघेल, विशाल शर्मा मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 पंकज सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया की संस्था ने कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा को किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

वर्धा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा, साहित्य और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की कुलपति प्रोफेसर कुमुद शर्मा को ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित संस्था इंडियन लिटरेरी एंड आर्ट सोसाइटी ऑफ ऑस्ट्रेलिया द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'लैंग्वेज एंड लिटरेचर एक्सीलेंस अवार्ड' के रूप में प्रदान किया गया।

संस्था द्वारा जारी आधिकारिक वक्तव्य के अनुसार, प्रो. कुमुद शर्मा को यह सम्मान साहित्य, कला, पत्रकारिता तथा सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक और प्रभावशाली योगदान के लिए दिया गया है। उन्होंने न केवल हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय भाषाई अस्मिता को सशक्त रूप से स्थापित करने का कार्य भी किया है।

महात्मा गांधी अतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति के रूप में प्रो. शर्मा ने विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय में शोध, प्रकाशन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। विशेष रूप से हिंदी भाषा को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में स्थापित करने के प्रयासों को व्यापक सराहना मिली है।

ऑस्ट्रेलिया की संस्था के पदाधिकारियों ने अपने संदेश में कहा कि प्रो. कुमुद शर्मा का कार्य न केवल भारत, बल्कि विश्वभर में हिंदी प्रेमियों और साहित्यकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने भाषा और साहित्य को समाज से जोड़ते हुए उसे जन-जन तक पहुँचाने का सराहनीय प्रयास किया है। साथ ही, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनकी सक्रियता और योगदान भी अत्यंत प्रशंसनीय है।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिया गया यह सम्मान विश्वभर की उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देकर समाज को नई दिशा प्रदान की है।

प्रो. कुमुद शर्मा का यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का प्रतीक है, बल्कि हिंदी भाषा के वैश्विक सम्मान का भी परिचायक है।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालयः नवाचारो के लिए शैक्षणिक अनुबंध पर सहमति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। जापान के साथ वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के नर्सिंग, पैरामेडिकल, फामेर्सी, होटल मैनेजमेन्ट एवं एग्रीकल्चर, एलाईड हेल्थ साईंस के छात्र-छात्राओ को छः माह का विशेष प्रशिक्षण देकर जापान के प्रतिष्ठित स्वास्थय संस्थानो में अच्छी सैलरी पैकेज पर काम करने का मिलेगा अवसर।

आज टोक्यो (जापान) से वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय पहुँची ''ईरिस सोल्यूशन्स'' की सी0ई0ओ0 (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) मिस ईरिको नोडा एवं भारत में कम्पनी के सी0ओ0ओ0 (चीफ आपरेटिंग ऑफिसर) ईशान अग्रवाल का विश्वविद्यालय प्रबन्धन व प्रशासन ने पटका, पगड़ी एवं स्मृति चिन्ह भेट कर पारम्परिक तरीके से जोरदार स्वागत किया।

हम जापान के साथ अपने छात्र-छात्राओ के शानदार प्लेसमेन्ट एवं सुरक्षित स्थायी कैरियर को लेकर बहुत उत्साहित है- श्री सुधीर गिरि, संस्थापक अध्यक्ष, वेंक्टेश्वरा समूह।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था, जापान प्रत्येक क्षेत्र के स्किल भारतीय युवाओ को रोजगार देने के लिए तेजी से काम कर रहा है- मिस ईरिको नोडा, सी0ई0ओ0, ईरिस सोल्यूशन्स, टोक्यो, जापान।

वेंक्टेश्वरा संस्थान के नर्सिंग, फामेर्सी, हेल्थ साईंस, एग्रीकल्चर समेत, अलग-अलग स्कूलो के प्रतिभाशाली युवाओ को अगले माह से प्रशिक्षण देकर जापान में अच्छी नौकरी के लिए युवाओ की फौज तैयार करेंगे- डॉ0 राजीव त्यागी, प्रतिकुलाधिपति, श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान।

जापान काम करने के लिए विश्व की सबसे शानदार एवं सुरक्षित स्थानो में से एक, प्रशिक्षित विदेशी छात्र-छात्राओ के लिए यहां हर सेक्टर में असीम रोजगार सम्भावनाऐं- मि0 ईशान अग्रवाल, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, ईरिस सोल्यूशन्स, जापान।

आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय की जापान की प्रतिष्ठित सेवायोजन कम्पनी ईरिस सोल्यूशन्स के साथ नर्सिंग, एप्लाईड, हेल्थ साईंस, फामेर्सी, एग्रीकल्चर, होटल मैनेजमेन्ट आदि के क्षेत्रो में ट्रेनिंग व प्लेसमेन्ट के कोलेब्रेशन के लिए सहमति बन गयी है। इस आशय की जानकारी ईरिस सोल्यूशन्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिस ईरिको नोडा एवं विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कम्पनी के सी0ओ0ओ0 ईशान अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दी।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालयके डॉ0 सी0वी0 रमन ऑडिटोरियम में जापान के साथ ''ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट'' के लिए अनुबन्ध पर सहमति के लिए आयोजित समारोह का शुभारम्भ जापान से आयी ईरिस सोल्यूशन की सी0ई0ओ0 ईरिका नोडा, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, सी0ओ0ओ0 ईशान अग्रवाल, कुलसचिव डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय, आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ईरिस सोल्यूशन्स की सी0ई0ओ0 ईरिका नोडा ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है एवं भारत दुनिया का सबसे युवा देश भी है। भारतीय युवाओ में प्रतिभा कूट-कूट कर भरी है। हम वेंक्टेश्वरा के साथ ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट को लेकर बेहद उत्साहित है। इस अवसर पर निदेशक एकेडमिक डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 थॉमस, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 अश्विनी सक्सेना, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 ऐना ऐरिका ब्राउन, डॉ0 सुमन, डॉ0 अनिल जायसवाल, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 मंजरी राणा, डॉ0 आशिया वाहिद, डॉ0 मनीष, डॉ0 स्नेहलता, डॉ0 ज्योति, एस0एस0 बघेल, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 पंकज एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

ब्रज के गौरक्षक चंद्रशेखर महाराज की गोतस्करों ने ट्रक से कुचलकर ली जान

मथुरा। धर्मनगरी मथुरा में गौरक्षा के सबसे बड़े नायक माने जाने वाले संत चंद्रशेखर, जिन्हें ब्रज के लोग सम्मान से 'फरसा वाले बाबा' पुकारते थे, अब हमारे बीच नहीं रहे। शुक्रवार (20 मार्च 2026) तड़के करीब 4 बजे, जब पूरा इलाका नींद में था, तब बाबा अकेले ही गोतस्करों के एक काल बनकर उनका पीछा कर रहे थे।

इसी दौरान तस्करों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए उन्हें ट्रक से कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना ने पूरे उत्तर प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद इस मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपितों के खिलाफ पाताल से ढूँढकर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कौन थे 'फरसा वाले बाबा' संत चंद्रशेखर?

संत चंद्रशेखर महाराज मथुरा के कोसीकलां क्षेत्र के एक समर्पित गौ सेवक और संत थे, जो पिछले कई वर्षों से ब्रज की गायों को तस्करों से बचाने के लिए एक दीवार की तरह खड़े थे। उन्हें 'फरसा वाले बाबा' इसलिए कहा जाता था क्योंकि वे हमेशा अपने साथ एक छोटा फरसा रखते थे, जो उनके साहस और अधर्म के प्रति कड़े विरोध का प्रतीक था। वे केवल प्रवचन देने वाले संत नहीं थे, बल्कि वे जमीन पर उतरकर आधी रात को भी तस्करों की सूचना मिलते ही अपनी बाइक से उनका मुकाबला करने निकल पड़ते थे।

ब्रज के गाँवों में उनकी छवि एक रक्षक की थी, जो गोवंश की सुरक्षा के लिए अपनी जान हथेली पर लेकर चलते थे। उनके अनुयायियों का मानना है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन श्री कृष्ण की लाडली गायों की सेवा में समर्पित

कर दिया था। स्थानीय गौरक्षा संगठनों में उनकी बात पत्थर की लकीर मानी जाती थी और वे युवाओं के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्त्रोत थे। उनके जाने से गौरक्षा आंदोलन को एक ऐसी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकेगी।

साजिश के तहत हुई निर्मम हत्या

घटनाक्रम के अनुसार, शुक्रवार (20 मार्च 2026) तड़के बाबा को गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर गायों से भरा एक ट्रक लेकर नवीपुर गाँव के पास से गुजरने वाले हैं। बिना किसी डर के, बाबा ने अपनी बाइक उठाई और अकेले ही उस ट्रक को रोकने के लिए निकल पड़े। पीछा करने के दौरान जब तस्करों को लगा कि वे पकड़े जा सकते हैं, तो उन्होंने अपनी गाड़ी रोकने के बजाय जानबूझकर बाबा की बाइक में जोरदार टक्कर मारी और उन्हें रौंदते हुए फरार हो गए।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाबा चंद्रशेखर की मौके पर ही मौत हो गई। हालाँकि, मौके पर मौजूद कुछ स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए ट्रक का पीछा किया और भाग रहे एक मुस्लिम आरोपित को दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि उसके तीन अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। इस घटना को लोग महज एक हादसा नहीं, बल्कि गोतस्करों द्वारा रची गई एक सोची-समझी साजिश और प्रतिशोध का हिस्सा मान रहे हैं।

हाईवे पर संग्राम और सुलगता आक्रोश

बाबा की हत्या की खबर जैसे ही मथुरा और आसपास के जिलों में फैली, हजारों की तादाद में गौरक्षक और ग्रामीण दिल्ली-आगरा हाईवे पर जमा हो गए। लोगों का गुस्सा इतना ज्यादा था कि उन्होंने हाईवे को पूरी तरह ठप कर दिया, जिससे गाड़ियों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक फरार तीनों हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होती और पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता, वे पीछे नहीं हटेंगे।

हालात उस समय और बिगड़ गए जब भीड़ और पुलिस के बीच तीखी

ईरान का सही आकलन करने में गच्चा खा गए अमेरिका और इजरायल

डॉ आनंद शर्मा

ईरान-अमेरिका-इजरायल संघर्ष को 22 दिन से भी अधिक का समय बीत गया है। ईरान की शक्ति का सही आकलन करने में अमेरिका और इजराइल दोनों ही गच्चा खा गए। यह लड़ाई शुरूआत में जितनी आसान दिख रही थी उतनी आसान रही नहीं। डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु ने समझा था कि ईरान की सुप्रीम लीडरशिप को समाप्त करके रिजीम आसानी से बदल जाएगा। इस मामले में उनकी आंखें उस भीड़ को देखकर धोखा खा गई जो आयतुल्लाह खामनेई के विरोध में ईरान की सड़कों पर उतरी थी। अमेरिका और इजराइल को लगा था कि यह भीड़ अमेरिका और इजरायल की शक्ति बन जाएगी और वहां पर जनता खुद ही सत्ता के खिलाफ संघर्ष के लिए उतर जाएगी लेकिन युद्ध के दौरान यह भीड़ सड़कों से गायब है। मोसाद ने ईरानी टीवी को हैक करके यह संदेश भी जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश की कि आप लोग आगे बढ़ो अमेरिका इजरायल आपके साथ है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसलिए इस युद्ध का दांव उल्टा पड़ गया और यह युद्ध लंबा खींचता चला गया। यहां यह भी समझना होगा कि ईरान को वेनेजुएला नहीं समझा जा सकता कि आप उसके राष्ट्रपति को उठाकर ले आओ यह ईरान है यहां आईआरजीसी जो संगठन है इसका ढांचा इतना अच्छे से बना हुआ है कि यदि सारी लीडरशिप भी तबाह हो जाए तब भी वह इतनी आसानी से सरेंडर नहीं करेंगे। इस संघर्ष के कई आयाम भी देखने को मिले हैं कभी अमेरिका कहता है कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हैं जिन्हें तबाह करने के लिए है युद्ध हो रहा है, कभी वह कहता है कि हम वहां के लोगों को लोकतांत्रिक शासन देना चाहते हैं और तानाशाही को हटाना चाहते हैं लेकिन अमेरिका का इसके पीछे जो खेल है वह तेल की तेल पर बादशाहत कायम करने का है। जबकि इजरायल यह मानता है कि यदि उसे अपने अस्तित्व को बनाए रखना है तो उसका सबसे बड़ा दुश्मन ईरान ही है जब तक ईरान ताकतवर बना रहेगा तब तक इजरायल के लिए संकट बना रहेगा। नेतन्याहु ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस युद्ध के लिए राजी करने में सफल रहे क्योंकि यह युद्ध अकेले इजरायल के बस के बात नहीं है।

ईरान का समर्थन या विरोध

भारत में एक बड़ा वर्ग ईरान के समर्थन करने के लिए है और दूसरा उसका विरोध भी करता है क्योंकि हम दोनों ही देश के साथ घनिष्ठ संबंध में है। हमने ईरान में चाबहार बंदरगाह से लेकर अनेक योजनाओं के लिए पैसा खर्च किया है और चीन की रणनीति को असफल करने के लिए चाबहार बंदरगाह भारत की प्रमुख रणनीति में से एक रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते पूर्व की सरकारों ने भी ईरान से तेल आयात लगभग खत्म ही कर दिया था। फिर भी ईरान भारत का एक प्रमुख साझेदार और ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों वाला देश रहा है। वहां के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनई का संबंध भारत से भी है उनके पूर्वज कभी भारत के ही निवासी रहे हैं। ऐसे में एक बड़ा समर्थन उन्हें यहां से प्राप्त होता है किंतु खामनई साहब ने समय-समय पर भारत के विरोध स्वरूप भी अनेक स्टेटमेंट दिए हैं। इसके अलावा ईरान हिज्बुल्लाह, हूती और हमास जैसे आतंकवादी संगठनों को पालता है। भारत किसी भी आतंकवादी संगठन को किसी भी रूप में समर्थन देने का विरोधी रहा है और भारत यह भी चाहता है कि इस मामले का बातचीत और कूटनीति से हल निकाले। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हमले से 2 दिन पहले की इजरायल यात्रा ने कई सवाल खड़े किए जिससे ऐसा लगा कि भारत का अधिक झुकाव इजरायल की तरफ है। इजराइल हमारा कभी विरोधी नहीं रहा इजराइल ने हर परिस्थिति में चाहे वह कारगिल युद्ध हो या आधुनिक तकनीक के हस्तांतरण में भारत को हमेशा सहयोग किया है। इस युद्ध के दौरान भारत द्वारा पहुंचाई गई राहत सामग्री और ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत इस बात की परिचायक है कि हम दोनों देशों से अपने संबंध बेहतर बनाए हुए हैं। इस परिस्थिति में किसी भी एक पक्ष के साथ पूरी तरह से खड़े रहना सही भी नहीं है हमारी वर्षों से नीति गुटनिरपेक्षता की रही है।

रूस- आपदा में अवसर

ऐसे समय में जब भारत ने भी धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति कम कर दी थी दोबारा रूस की तरफ लौटना और दुनिया की तेल जरूर को पूरा करने के लिए रूस पर निर्भरता रूस के लिए आपदा में अवसर से कम नहीं है। रूस कच्चे तेल का एक बड़ा उत्पादक देश है ऐसे में जितना लंबा यह संघर्ष चलेगा रूस को उतना ही लाभ होगा क्योंकि उसके तेल भंडार से तेल आयात करने पर अब कोई पाबंदी नहीं है। ऐसे में अमेरिका इजरायल और नाटो देशों का जो ध्यान है वह इस युद्ध की तरफ चला गया है और रूस आराम से यूक्रेन में अपने ऑपरेशन को धार दे रहा है। इस सारे संकट से रूसी अर्थव्यवस्था को भी एक बड़ा लाभ हुआ है। 1991 के बाद लगभग दुनिया की में एक ही महाशक्ति बच गई थी वह है अमेरिका। लगातार अमेरिकी दादागिरी के आगे रूस का कोई निर्णात्मक कदम ना उठाना भी अमेरिकी साम्राज्यवाद के बढ़ने का एक प्रमुख कारण है।

किसके साथ है भारत के हित

वैश्वीकरण के दौर में दुनिया की हर एक घटना का प्रभाव सीधे सभी देशों पर पड़ता है और इतने बड़े ऊर्जा संकट का निश्चित ही भारत पर प्रभाव दिखाई दे रहा है। युद्ध स्वयं समस्या है यह समाधान नहीं खोज सकता। ऐसे में भारत को दूरगामी सोच रखते हुए अपनी उर्जा हितों की ओर ठोस रणनीति बनाने पर ध्यान देना होगा। हम रूसी कच्चे तेल से समझौता नहीं कर सकते साथ ही हमें यह बात भी सुनिश्चित करनी होगी कि हम अब हमारे पारंपरिक मित्रों को नाराज किए बिना किस प्रकार आगे बढ़े। अमेरिका को हम सबसे अधिक निर्यात करते हैं, यूरोपीय यूनियन के साथ अभी हाल फिलहाल में ही व्यापार समझौता हुआ है। किंतु ऐसे में रूस और ईरान के पक्ष को भी हमें समझना होगा। भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन और कट्टर दुश्मन पाकिस्तान है और युद्ध की स्थिति में अमेरिका हमेशा पाकिस्तान के पक्ष में ही खड़ा दिखाई देता है।

भारत इस युद्ध के समाधान में एक निर्णायक भूमिका निभा सकता है। हमारे दोनों पक्षों से अच्छे संबंध हैं अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व का मजबूत नेता बनना है तो इस युद्ध को रोकने के लिए उन्हें आगे बढ़कर कुछ ठोस कदम उठाने होंगे साथ ही भारत की ऊर्जा जरूरतों और अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए भी ठोस कदम उठाने होंगे निश्चित ही यह भारत सरकार की अब तक की सबसे बड़ी कुटनीतिक परीक्षा भी है। इसकी सफलता भारत की राजनीति में बहुत कुछ तय करेगी।

सेहत/स्वास्थ्य

नवरात्रि: इस बार स्वाद के साथ सेहत का भी रखें ख्याल, ट्राई करें ये 2 हेल्दी डिशेज

नवरात्रि उपवास का मतलब शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि उसे हल्का और स्वस्थ बनाना है; इसलिए ट्राई करें साबूदाना दही बाउल और फ्रूट कस्टर्ड जैसी हेल्दी रेसिपी। ये स्वादिष्ट डिशेज व्रत के दौरान आपको जरूरी पोषण और एनर्जी देने में मदद करेंगी।

कुछ लोग नवरात्रि के व्रत में खुद को और अपने शरीर को जरूरत से ज्यादा तकलीफ दे देते हैं। लेकिन सच तो यह है कि नवरात्रि का व्रत शरीर को साफ और हल्का करने के लिए होता है, न कि उसे परेशान करने के लिए। पूरे दिन भूखे रहकर शाम को भारी या अस्वस्थ खाना खाने का कोई फायदा नहीं होता। इसलिए हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ आसान, स्वादिष्ट और पौष्टिक रेसिपीज, ताकि इस नवरात्रि आप व्रत भी रखें और सेहत का भी पूरा ध्यान रखें।

साबूदाना दही बाउल

साबूदाना दही बाउल व्रत के दिनों के लिए एकदम सही है। यह हल्का, ताजगी भरा और एनर्जी, प्रोटीन व फाइबर से भरपूर होता है। इस रेसिपी को नवरात्रि के लिए सेव करके जरूर रखें।

सामग्री: 1 कप साबूदाना (3-4 बार धोकर, 1 कप पानी में रात भर भिगोया हुआ), 1 बड़ा चम्मच सब्जा सीड्स (1 कप पानी में भिगोए हुए), 2 कप ताजा दही, सेंधा नमक स्वादानुसार, ½ छोटा चम्मच ताजी पिसी काली मिर्च, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा अदरक, 2 बड़े चम्मच कटी धनिया पत्ती, ळ कप अनार के दाने, ळ कप भुनी मूंगफली (दरदरी कुटी हुई); तड़के के लिए: 1 बड़ा चम्मच देसी घी, ½ छोटा चम्मच जीरा, 1 हरी मिर्च (कटी हुई), कुछ करी पत्ते, 8-10 काजू।

बनाने की विधि: सबसे पहले साबूदाने को 3-4 बार धोकर 1 कप पानी में रात भर भिगो दें और सब्जा सीड्स को 10-15 मिनट के लिए पानी में भिगो लें। अब भीगे हुए साबूदाने को प्लेट में फैलाकर लगभग 4 मिनट तक भाप में पकाएं, फिर थोड़ा पानी डालकर दानों को अलग करें और छान लें। एक बाउल में दही लेकर उसमें सेंधा नमक, काली मिर्च, अदरक और धनिया पत्ती डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें सब्जा सीड्स, अनार के दाने, भुनी मूंगफली और तैयार साबूदाना डालकर अच्छे से मिक्स करें। आखिर में एक पैन में घी गरम करें, उसमें जीरा, हरी मिर्च, करी पत्ते और काजू डालकर हल्का भून लें और यह गरम तड़का तैयार बाउल के ऊपर डालकर तुरंत परोसें।

साबूदाना फ्रूट कस्टर्ड

नवरात्रि में अगर कुछ मीठा और हेल्दी खाने का मन हो, तो साबूदाना फ्रूट कस्टर्ड एक बढ़िया विकल्प है। यह क्रीमी, स्वादिष्ट और ताजगी से भरपूर डेजर्ट है, जो व्रत के दौरान आपको एनर्जी भी देता है।

सामग्री: 1 कप भुने हुए मखाने, ½ कप बादाम, 10 काजू, एक चुटकी केसर, एक चुटकी इलायची पाउडर, 12-15 खजूर, 1 कप गुनगुना दूध (भिगोने के लिए), 2 कप दूध, 1 कप उबला हुआ साबूदाना; फल (अपनी पसंद के अनुसार): ¼ कप अनार, 1 केला (कटा हुआ), ¼ कप काले अंगूर, ¼ कप हरे अंगूर, ½ कप आम (कटा हुआ)।

बनाने की विधि: सबसे पहले मखाने, बादाम, काजू और खजूर को गुनगुने दूध में 15-20 मिनट के लिए भिगो दें, फिर इन्हें केसर और इलायची पाउडर के साथ पीसकर एक स्मूद पेस्ट बना लें।

अब एक पैन में 2 कप दूध गरम करें और उसमें यह पेस्ट डालकर धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं, जब तक मिश्रण हल्का गाढ़ा और क्रीमी न हो जाए।

इसके बाद इसमें उबला हुआ साबूदाना डालकर अच्छे से मिलाएं और कुछ मिनट और पकाएं। गैस बंद करके मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें, फिर इसमें कटे हुए फल डालें और हल्के से मिक्स करें। ठंडा-ठंडा परोसें और व्रत के दौरान इस हेल्दी मिठास का आनंद लें।

ब्यूटी / फैशन

महंगे प्रोडक्स छोड़ें! एक्सपर्ट का यह नुस्खा डेड स्किन हटाकर देगा चेहरे पर नेचुरल ग्लो

ज्यादातर महिलाएं डेड स्किन से परेशान रहती हैं। डेड स्किन चेहरे की खूबसूरती को कम करता है। अगर आप भी चेहरे पर जमी डेड स्किन की समस्या से परेशान हैं और इसे हटाने के लिए कई महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर चुकी हैं, तो अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह जानकारी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। इस लेख में हम आपको आसान और असरदार उपाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप चेहरे की डेड स्किन को कम करने में मदद पा सकती हैं। आइए जानते हैं इस उपाय के बारे में।

ब्यूटी एक्सपर्ट के अनुसार, चेहरे की डेड स्किन हटाने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की जगह कॉफी, शहद, मलाई और नारियल तेल से बना घरेलू फेस पैक एक आसान और असरदार उपाय है। यह नुस्खा त्वचा को एक्सफोलिएट कर चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाता है।

डेड स्किन कम करने के लिए खास उपाय

ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक, अधिकत्तर महिलाएं खासकर जो वर्किंग वुमन है वह चेहरे पर होने वाली डेड स्किन की वजह से काफी परेशान रहते हैं। यदि आप भी अपने चेहरे पर होने वाली डेड स्किन को कम करना चाहते हैं, तो फिजूल खर्च करने के बजाय घर पर रहकर एक खास उपाय कर सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इस उपाय के बारे में बताते हैं।

फेस पैक बनाने के लिए सामग्री

- कॉफी
- शहद
- मलाई
- नारियल तेल

फेस पैक बनाने के तरीका

- डेड स्किन को कम करने के लिए एक खास फेस पैक तैयार करती है।
- इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में कॉफी पाउडर डालें।
- इसमें अब मलाई, थोड़ा नारियल तेल और थोड़ा ताजा शहद मिक्स कर दें।
- इन सभी सामग्री को अच्छे से मिक्स कर लें और पेस्ट को खास बना लें।

- जब यह पेस्ट गाढ़ा हो जाए, तो आप इसे किसी एयरटाइट डिब्बे में भरकर रख दें।
- इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं।
- यह डेड स्किन को खत्म करता है।

पर्यटन

राजस्थान का 'कश्मीर' माउंट आबू: भीषण गर्मी से राहत के लिए यह है परफेक्ट हिल स्टेशन

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में नक्की झील, दिलवाड़ा मंदिर और गुरु शिखर जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं, जो इसे एक लोकप्रिय पर्यटन केंद्र बनाते हैं। अरावली पर्वतमाला पर स्थित माउंट आबू अपनी ठंडी जलवायु, संगमरमर की नक्काशी वाले मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, जो इसे पर्यटन के लिए एक आदर्श स्थल बनाता है।

राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन है। अरावली पर्वतमाला की ऊँचाइयों पर बसा यह सुंदर स्थल अपनी ठंडी जलवायु, हरियाली और ऐतिहासिक मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। रेगिस्तानी प्रदेश में स्थित होने के बावजूद यहाँ का वातावरण अत्यंत सुहावना और शांतिपूर्ण है, जो पर्यटकों को विशेष आकर्षित करता है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल-

Nakki Lake- यह माउंट आबू की सबसे प्रसिद्ध झील है। यहाँ पर्यटक नौकायन का आनंद लेते हैं और झील के आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करते हैं। मान्यता है कि इस झील को देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदा था।

Dilwara Temples- 11वीं और 13वीं शताब्दी के बीच निर्मित ये जैन मंदिर अपनी अद्भुत संगमरमर की नक्काशी के लिए विश्वविख्यात हैं। यहाँ की वास्तुकला और शिल्पकला पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

Guru Shikhar- यह अरावली पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है। यहाँ से आसपास की पहाड़ियों और घाटियों का मनोहारी दृश्य दिखाई देता है।

Sunset Point- सूर्यास्त के समय यहाँ का दृश्य अत्यंत आकर्षक होता है। ढलते सूरज की लालिमा पहाड़ियों पर अद्भुत छटा बिखेरती है।

मौसम और घूमने का सर्वोत्तम समय

माउंट आबू का मौसम वर्षभर सुहावना रहता है।

गर्मी (अप्रैल-जून): तापमान 23°C से 33°C के बीच, घूमने के लिए उत्तम समय।

मानसून (जुलाई-सितंबर): हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य अपने चरम पर।

सर्दी (अक्टूबर-मार्च): ठंडा और रोमांटिक मौसम, पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय।

स्थानीय विशेषताएँ

माउंट आबू में हर वर्ष 'समर फेस्टिवल' का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोक संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। यहाँ की हस्तशिल्प वस्तुएँ और राजस्थानी व्यंजन भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं।

कैसे पहुँचें?

सड़क मार्ग: उदयपुर, अहमदाबाद और जयपुर से बस एवं टैक्सी सुविधा उपलब्ध है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन आबू रोड है।

वायु मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर में स्थित है।

माउंट आबू प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम है। यदि आप राजस्थान की गर्मी से राहत पाना चाहते हैं और पहाड़ों की ठंडी वादियों में सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो माउंट आबू एक आदर्श पर्यटन स्थल है।

योग

योगा का पावरहाउस है 'विपरीत करणी' आसन, स्ट्रैस और फैट की होगी छुट्टी

विपरीत करणी आसन को करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क महसूस होगा। तनाव कम होगा, चेहरे की चमक बढ़ेगी और शरीर हल्का लगेगा। यह योगासन जितना दिखने में आसान लगता है, इसका शरीर और दिमाग पर भी उतना कमाल का फायदा दिखता है।

बॉलीवुड की फेमस अभिनेत्री करीना कपूर अपनी टोंड बॉडी और जवां निखार के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस खुद को फिट रखने के लिए रोजाना योगासन करती हैं। वहीं हर लड़की या महिला फिट और टोंड बॉडी पाना चाहती हैं। ऐसे में आप भी फिट बॉडी और जवां लुक के लिए अपनी डेली रूटीन में योगासन को शामिल कर सकती हैं। आप 10 मिनट तक सिर्फ एक योगासन करने खुद को फिट और यंग रख सकती हैं।

यह योगासन जितना दिखने में आसान लगता है, इसका शरीर और दिमाग पर भी उतना कमाल का फायदा दिखता है। ऐसे में हर महिला को अपनी डेली रूटीन में यह योगासन शामिल करना चाहिए। इस आसन को करने से आप अंदर से हेल्दी और रिफ्रेश महसूस करती हैं। साथ ही इस आसन के कई अद्भुत फायदे मिलते हैं। यह आसन विपरीत करणी आसन है। इस आसन को करने से कुछ ही दिनों में आपको फर्क महसूस होगा। तनाव कम होगा, चेहरे की चमक बढ़ेगी और शरीर हल्का लगेगा।

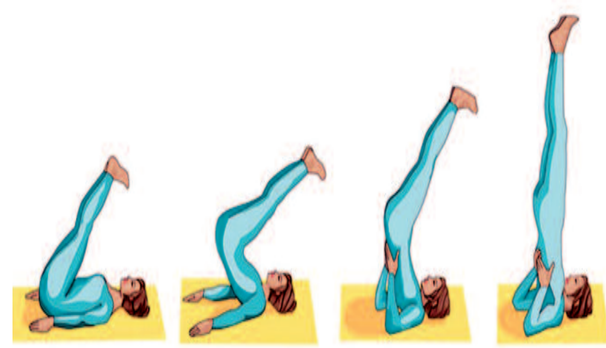

ऐसे करें विपरीतकरणी आसन

इस आसन को करने के लिए दीवार के पास किसी शांत जगह को चुनें। फिर योगा मैट बिछाएं और आप चाहें तो इस आसन को बिस्तर पर भी कर सकती हैं। शरीर की पोजिशन को सेट करें और घुटने मोड़कर दीवार के एकदम पास बैठें। अब धीरे-धीरे करवट लेकर लेटें और पैरों को दीवार के ऊपर की तरफ सीधा रखें। दीवार से आपकी कमर करीब 2-3 इंच दूर होना चाहिए। पैरों को बिलकुल सीधा रखें और पंजे को ढीला छोड़ दें। हाथों को शरीर के बगल में ढीला छोड़ दें और हथेलियां ऊपर की तरफ रखें। आंखें बंद करें और नाक से गहरी सांस लें और फिर धीरे-धीरे छोड़ें। इस दौरान पेट को रिलैक्स रखें और शुरूआत में 1-3 मिनट तक इस पोजिशन में रहें। जब आदत को जाए, तो इसको 10 मिनट तक करें।

विपरीतकरणी आसन के फायदे

इस आसन को करने से पेट की सूजन और ब्लोटिंग की समस्या कम होती है।

यह आसन लसीका तंत्र को तेज करने के साथ शरीर में मौजूद टॉक्सिंस बाहर निकलते हैं।

तनाव, चिंता और ओवरथिंकिंक की समस्या कम होती है और मन शांत होने लगता है।

यह मसल्स का तनाव दूर करता है और शरीर रिलैक्स होता है।

इस आसन को करने से रात को गहरी और शांत नींद आती है।

इस आसन को करने से ब्लड सकुर्लेशन अच्छा होता है और दिल की सेहत भी अच्छी बनी रहती है।

इससे इम्यून सिस्टम बूस्ट होता है और बीमारियां कम होती हैं।

इस आसन का अभ्यास करने से दिमाग शांत होता है।

महामाया देवी मेला का भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

● मंदिर के मुख्य पुजारी पंड़ित देवेंद्र कुमार ने की पूजा अर्चना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गांव सीकरी खुर्द स्थित महामाया देवी मेला गुरुवार से शुरू हो गया है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। वहीं पहले दिन लगभग 35 से 40 हजार श्रद्धालुओं ने पहुंचकर महामाया पर प्रसाढ़ चढ़ाया है। गांव सीकरी खुर्द स्थित महामाया देवी मंदिर परिसर में चैत्र के नवरात्रों में हर वर्ष मेला लगता है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दराज से आते है। गुरुवार को मंदिर के मुख्य पुजारी पंड़ित देवेंद्र कुमार ने पूजा अर्चना विधि विधान के साथ की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाना शुरू कर दिया। मंदिर के मुख्य पुजारी के अनुसार, पहले दिन लगभग 40 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाया है। वहीं दोपहर में भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिसौदिया ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, तहसीलदार रजत कुमार, एसीपी मोदीनगर भाष्कर वर्मा, पालिका के अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र, भाजपा नेता सतवीर सिंह राघव मौजूद रहे।

रविवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मोदीनगर। प्रत्येक वर्ष गांव सीकरी खुर्द स्थित सीकरी महामाया देवी मंदिर में मेला लगता है। मेले के दौरान पुलिस के लिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और दिल्ली-मेरठ मार्ग को जाम मुक्त रखना चुनौती रहता है। इन्हीं दोनों व्यवस्थाओं के चलते 500 से अधिक पुलिस और यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाती है। बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाएं जाते हैं, बावजूद इसके आज तक यातायात जाम होने में सुधार नहीं हो सका है।

रविवार को भी सीकरी कट पर जाम रहा। वाहनों की कतार दोनों तरफ कई-कई किलोमीटर लंबी लगी रही। बता दें कि मोदीनगर सीमा कादराबाद से लेकर काजमपुर तक पार करने में वाहन को लगभग 10 से 15 मिनट का समय लगता है, लेकिन रविवार को यातायात जाम के कारण यह सीमा पार करने में मुसाफिर में दो घंटे से अधिक का समय लगा है। लोगों का कहना है कि जब चौथे नवरात्र पर सड़क का यह हाल है, तो छठे से अष्टमी तक क्या होगा, क्योंकि इन तीन दिन तो लाखों की संख्या में श्रद्धालु सीकरी मंदिर आएंगे और जाएंगे।

रविवार होने के कारण मंदिर में उमड़ी भीड़

सीकरी महामाया देवी पर प्रत्येक रविवार को स्थानीय के साथ आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले श्रद्धालु प्रसाद चढ़ाने जाते हैं। ऐसे में नवरात्र के चलते श्रद्धालुओं की कई गुना संख्या बढ़ गई। इसके चलते मंदिर परिसर सुबह छह से दोपहर 12 बजे तक खचाखच भरा रहा। सादा लिबास में महिला पुलिस कर्मी श्रद्धालुओं के बीच में रहकर निगरानी करती नजर आईं।

मेले में भी दिखी भीड़ :

मंदिर के चारों तरफ बड़े क्षेत्रफल में लग रहे मेले में भी खरीदारों की भीड़ देखने को मिली। इसके चलते दुकानदारों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रसाद के अलावा मेले में सौंदर्य प्रसाधन, खिलौने, निशानेबाजी, सर्कस आदि लोगों के मनोरंजन के लिए दुकान लगी हुई हैं।

खेलों से होता व्यक्ति का सर्वांगीण विकास: डॉ मंजू शिवाच

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के खेल परिसर में दो दिवसीय चैयरमेन खेल महोत्सव इंटर स्टेट वालीबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा की खेल व्यक्ति के संपूर्ण विकास का सबसे सीधा और सरल माध्यम है। इसलिए हम सभी को अपना संतुलन बनाए रखने के लिए खेल खेलना नितांत आवश्यक है। मोदीनगर नगर पालिका के अध्यक्ष एवं प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक विनोद वैशाली ने खिलाड़ियों को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि गन्ना समिति मोदीनगर के चैयरमैन राजन चौधरी, अनिल त्यागी अध्यक्ष नगर पंचायत निवाड़ी, दीपक राणा अध्यक्ष गन्ना समिति मोहद्दीनपुर, राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने भी विचार रखें। छाया स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. अरुण त्यागी ने बताया कि चेयरमेन खेल महोत्सव इंटर स्टेट वॉलीबॉल इस प्रतियोगिता में देश भर की 30 से अधिक टीमों ने भाग लिया है और कई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में खेल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की तरह यह मैच मेट पर खेले जा रहा है, जो मोदीनगर के लिए बेहद गौरव की बात है विद्यालय के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी जो खुद राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन के खिलाड़ी रहे हैं सभी अतिथियों को फूल माला व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। भारी संख्या में दर्शकों ने पहुंचकर प्रतियोगिता का भरपूर आनंद लिया। सभी टीमों ने अपने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस अवसर पर रालोद नगर अध्यक्ष मनोज त्यागी, संजय चौधरी, सोनू चौधरी, आदित्य बॉबी, ललित त्यागी, रजनीश, समीर चौधरी आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रिटी पेंग्विंस स्कूल में स्प्रिंग फ्लिंग कैंप का समापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल की शाखा प्रीटी पेंगुइन्स स्कूल में आयोजित स्प्रिंग फ्लिंग कैंप का समापन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और नन्हे बच्चों ने जोश और उमंग के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. केएन मोदी के प्रबंधक मेघराज, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर दीपांकर शर्मा, स्कूल प्रधानाचार्य पूजा शर्मा, स्कूल हेडमिस्ट्रेस प्रेरणा वर्मा, टेक्सटाइल ब्रांच की हेडमिस्ट्रेस सपना खुराना, प्रोफेसर मनीषा त्यागी ने दीप जलाकर किया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। चीयरिंग परफॉर्मेंस और आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं फ्रेंच स्किट ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया। इसके साथ ही स्किल बूस्ट एक्टिविटी एग्जीबिशन में बच्चों द्वारा बनाई गई एक्टिविटीज को दशार्या गया, जिसमें बच्चों की रचनात्मकता और सीखने की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ताइक्वांडो के बच्चों द्वारा प्रस्तुत बेसिक स्टंट्स रहे। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नृत्य, खेल, फ्रेंच और ताइक्वांडो के लिए पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जॉब फेयर में 34 छात्राओं को मिला ऑफर लेटर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में जॉब फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रकार की प्रक्रियाओं के बाद 34 छात्राओं को ऑफर लेटर दिया गया।

कॉलेज की प्राचार्य प्रो. पूनम शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न कंपनियों की तरफ से जॉब फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें टूगेदर ट्रस्ट की चेयरमैन शंकारी बालाजी एवं एडवाइजर काजल नेहरा मिश्रा ने लगभग 300 छात्राओं को ईईटी के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसके आधार पर छात्राओं का इंटरव्यू आयोजित किया गया। सफल बनाने में शिक्षिका शिवानी और महक बंसल का सहयोग रहा।

स्प्रिंग फ्लिंग कैंप का भव्य समापन समारोह

मोदीनगर। डॉ.के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल की शाखा प्रीटी पेंगुइन्स स्कूल में आयोजित स्प्रिंग फ्लिंग कैंप का समापन बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और नन्हे बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ.के.एन. मोदी के प्रबंधक मेघराज, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर दीपांकर शर्मा, प्रधानाचार्य पूजा शर्मा, प्रेरणा वर्मा, सपना खुराना, प्रोफेसर मनीषा त्यागी की गरिमामई उपस्थिति में हुआ।

नवीन जायसवाल का वैश्य समाज ने किया स्वागत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नवीन जायसवाल को सभासद बनाए जाने पर वैश्य समाज मोदीनगर के सदस्यों ने उनके आवास तिबड़ा रोड पर जाकर शुभकामनाएं दी।

जिसमें अध्यक्ष बृजभूषण बंसल संयोजक देवराज मित्तल कोषाध्यक्ष अश्विनी गुप्ता अनिल गोयल संजय सिंघल कृष्ण कुमार गुप्ता सर्वेश मित्तल राजेंद्र कुमार गोयल रविंद्र बंसल प्रवीण गुप्ता संदीप मित्तल आदि ने शुभकामनाएं दी।

किड्जी मोदीनगर में वार्षिक स्पोर्ट्स डे नन्हा हिंदुस्तान का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। किड्जी मोदीनगर में वार्षिक स्पोर्ट्स डे नन्हा हिंदुस्तान बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, टीमवर्क और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। सभी नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ विविध खेल गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभावशाली मार्च-पास्ट से हुई।

जिसके बाद रंगारंग डांस परफॉर्मेंसेज और बच्चों के लिए आयोजित विभिन्न रोमांचक रेस ने माहौल को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। हर बच्चे को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी झलक उठी। प्रबंधन निदेशक अनमोल बंसल ने बच्चों के उत्साह की सराहना की और कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किड्जी मोदीनगर हमेशा अपने स्कॉलर्स को आगे बढ़ने, आत्मविश्वास विकसित करने और नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में टीचर्स रेस भी आयोजित की गई, जिसने सभी का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का संचालन प्रिंसिपल तारिका माटा के नेतृत्व में हुआ। सफल बनाने में शिक्षिका रीता वर्मा, स्नेहा, अन्तिमा, फिजा, ऋतिका, गीता मेहरा, मृदुलिका, आशि, स्वाथी, जेसिका और राशी का सहयोग रहा।